

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 11 सितंबर 2026

॥ A Golden Beginning with the Blessings of Ganpati Bappa ॥



OPENING TODAY



सबसे कम कीमत पर आभूषण



Handmade
Jewellery

2.99%

Making Charges



Machine Made
Jewellery

1.99%

Making Charges



Antique
Jewellery

3.99%

Making Charges



BIS CERTIFIED JEWELLERS

BIS

100% HUID



ANAND
Jewels

पंडरी, रायपुर



No Credit
Card Charges



उत्साह के साथ मनाया शिक्षक दिवस

अंडा। 'श्री हरि पब्लिक स्कूल' खम्परवाड़ा (ओटेबंद) में शिक्षक दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। प्राचार्या संयोगिता सक्सेना ने सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

मनोज को मिला राज्य शिक्षक पुरस्कार
हिर्री। बच्चों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर शिक्षा को सरल, रोचक एवं प्रभावी बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले मनोज कुमार साहू, शिक्षक, शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय हिर्री का चयन राज्य शिक्षक पुरस्कार 2026 के लिए किया गया है। साहू ने विद्यालय में डिजिटल एवं

तकनीक आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। उनके प्रयासों से शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय हिर्री ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए छत्तीसगढ़ के सरकारी मिडिल स्कूलों में कंप्यूटर एवं एआई लैब स्थापित करने की दिशा में अग्रणी विद्यालय के रूप में पहचान बनाई है। विद्यालय में बच्चों को कंप्यूटर एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रारंभिक समझ विकसित करने के साथ-साथ आधुनिक तकनीक के उपयोग के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय साधन-सह-प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

कुम्हारी में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता कल कुम्हारी। समस्त नगरवासियों एवं मां महामाया क्रीड़ा मंडल, कुम्हारी के तत्वावधान में नगर के महामाया पारा (सब्जी मंडी के पास, वार्ड क्र. 04) में एक दिवसीय भव्य कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 12 सितंबर शनिवार को सुबह 11:00 बजे से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली विजेता टीम को 20,001 रु., द्वितीय स्थान हेतु 13,001, तृतीय स्थान हेतु 7,001 तथा चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 5,001 की नकद राशि एवं आकर्षक ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

भरर स्कूल में बनाई शिक्षाप्रद मानव श्रृंखला



जामगांव आर। विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरर में विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला एवं 'साक्षरता प्रतीक' बनाया। प्राचार्य डॉ. भारती के निर्देशन में यह पहल की गई।

निधन

भागवत प्रसाद

दुर्ग। कुर्मीगुण्डरा निवासी भागवत प्रसाद आखिल का 9 सितंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 10 सितंबर को गृह ग्राम में किया गया। वे पंकज आडिल, शकुन, तेजस्वी एवम उपकारीका के पिता थे।

कांता सेन

दुर्ग। शिक्षक नगर दुर्ग निवासी सर्व सेन समाज छत्तीसगढ़ प्रांत के संरक्षक विमल कुमार सेन की पत्नी कांता सेन (75) का 10 सितंबर गुरुवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 11 सितंबर शुक्रवार को हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया जाएगा। अंतिम यात्रा सुबह 11.30 बजे उनके निवास स्थान से निकाली जाएगी। वे विकास (कानू), जतीन, भावेश सेन की मां, वरूण, हनी, मिंटू सेन की बड़ी मां और क्षितिज, मोहित, घनछि, ईशान, डिंपल और ऐष्णा की दादी थीं।

लोकेशन भेजने से लेकर प्रतिवेदन बनाने तक दबाव बनाने का आरोप

बिजली विभाग की लपरवाही के उजागर होते ही सक्रिय हुए अधिकारी, उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज >>>पाटन

पाटन नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 11 स्थित महावीर चौक में बिजली व्यवस्था को लेकर रहवासी लंबे समय से हलकाान हैं। जर्जर एवं दुर्घटना को न्योता दे रहे बिजली के खंभे को लेकर लगातार शिकायतों के बावजूद कोई स्थायी समाधान न निकलने से स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। 'हरिभूमि' ने 10 सितंबर के अंक में इस जनसमस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था, जिसके बाद विद्युत विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

वार्डवासियों का आरोप है कि इस पोल को लेकर बार-बार शिकायतें की जाती हैं। विभाग के अधिकारी आकर निरीक्षण करते हैं और चले जाते हैं, परंतु कोई ठोस सुधारात्मक

हरिभूमि में खबर के प्रकाशन के बाद हड़कंप मचा अधिकारियों में



कदम नहीं उठाया जाता। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली की इस अव्यवस्था ने लोगों का जीना दूषर कर दिया है। रहवासियों का प्रश्न है कि आखिर विभाग इस समस्या का स्थायी समाधान कब करेगा? इस बिजली खंभे पर केबल तार और किसानों के तारों का अंबार लगा हुआ है। किसी घर की लाइट बंद होने पर तार ढूंढना मुश्किल हो जाता है, जो मकड़ी के जाले की तरह उलझा हुआ है।



सबसे गंभीर प्रश्न तब खड़ा हुआ जब खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित विभागीय अधिकारी द्वारा खबर की लोकेशन बताने और प्रतिवेदन तैयार करने के नाम पर दबाव बनाने का आरोप सामने आया। बताया गया कि फोन के माध्यम से लोकेशन पर पहुंचने के लिए कहा गया और यह भी निर्देश दिया गया कि यदि स्थिति नहीं आ सकते तो किसी अन्य प्रतिनिधि को भेजें। प्रतिनिधि के पहुंचने पर भी उससे अनावश्यक स्वाल-जवाब किए गए। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनहित की समस्या को उजागर करने वाली खबर पर विभागीय अधिकारी समस्या हल करने के बजाय पत्रकार पर दबाव बनाने का प्रयास क्यों कर रहे हैं? क्या जनता की आवाज उठाना अब विभाग को नागवार गुजर रहा है? 'हरिभूमि' ने वार्डवासियों की आवाज को मुखरता से उठाया है। अब देखना यह होगा कि बिजली विभाग केवल जांच की औपचारिकता तक सीमित रहता है या वार्ड 11 की समस्या का वास्तव में स्थायी समाधान निकालता है। जनता को धरातल पर कार्रवाई चाहिए, केवल कोरा आश्वासन नहीं।

खबर के बाद कार्रवाई से ज्यादा दबाव क्यों?

सबसे गंभीर प्रश्न तब खड़ा हुआ जब खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित विभागीय अधिकारी द्वारा खबर की लोकेशन बताने और प्रतिवेदन तैयार करने के नाम पर दबाव बनाने का आरोप सामने आया। बताया गया कि फोन के माध्यम से लोकेशन पर पहुंचने के लिए कहा गया और यह भी निर्देश दिया गया कि यदि स्थिति नहीं आ सकते तो किसी अन्य प्रतिनिधि को भेजें। प्रतिनिधि के पहुंचने पर भी उससे अनावश्यक स्वाल-जवाब किए गए। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनहित की समस्या को उजागर करने वाली खबर पर विभागीय अधिकारी समस्या हल करने के बजाय पत्रकार पर दबाव बनाने का प्रयास क्यों कर रहे हैं? क्या जनता की आवाज उठाना अब विभाग को नागवार गुजर रहा है? 'हरिभूमि' ने वार्डवासियों की आवाज को मुखरता से उठाया है। अब देखना यह होगा कि बिजली विभाग केवल जांच की औपचारिकता तक सीमित रहता है या वार्ड 11 की समस्या का वास्तव में स्थायी समाधान निकालता है। जनता को धरातल पर कार्रवाई चाहिए, केवल कोरा आश्वासन नहीं।

आखिरकार 4 दिन से सड़क पर घायल सांड ने तोड़ दिया दम

हरिभूमि न्यूज >>>मिलाई

सेक्टर 6 बी मार्केट में 4 दिन पूर्व नाली में फंसने के बाद बीच सड़क पर छोड़ दी गई घायल सांड ने आखिरकार आज गुरुवार को तड़पते हुए दम तोड़ दिया। इस दौरान मार्केट के चंद लोग नगर



■ गृहार के बाद भी नहीं मिली जिम्मेदारी की मदद

की निगम व बीएसपी नगर सेवाएं विभाग और गौशालाओं के लोगों को टेलीफोनिक मदद की सूचना देते रहे लेकिन संबंधित व राहगीर भी संवेदनहीन और उदासीन बने रहे। उल्लेखनीय है कि हरिभूमि ने 7 सितंबर को बी मार्केट के व्यस्ततम एमजीएम स्कूल रोड के किनारे नाली में अचानक आवारा सांड के गिरकर फंस घायल होने की खबर प्रकाशित की थी। रात 10 बजे गिरे इस मूक जानवर का एक पैर फेंक्कर होने के बाद टूट गया था। 8 को 12 घंटे बाद दो तीन व्यवसायियों के सूचना मिलने पर पुलिस जवानों ने उनकी मदद से बाहर तो निकाला लेकिन सड़क किनारे छोड़ दिया। रात 11 बजे मार्केट के जैन दंपति के मदद की गुहार

कोशिश करते रहे। तीन दिन तक मार्केट के कुछ व्यवसायी जिम्मेदार एजेंसियों व व केंद्र व राज्य सरकार के हेल्प लाइन नंबर पर फोन करते रहे लेकिन मदद नहीं मिला । गौशालाओं को भी फोन किए जवाब में वाहन की व्यवस्था कर भेजने पर इलाज की रट लगाते रहे। आखिरकार दस सितंबर को घायल व विकलांग हुए इस सांड ने बीच सड़क दम तोड़कर समाज व व्यवस्था को एक बार फिर दावों पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया। क्षेत्रवासियों ने बताया कि रोज कई आवारा मवेशी सड़कों पर इलाज व मदद के अभाव में इसी तरह मर रहे हैं। हमें सरकार व समाज की जागरुकता पर सोचना होगा।

हरिभूमि न्यूज >>>मिलाई

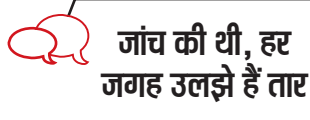
अपूर्ण वेतन समझौता सहित लंबे समय से लंबित मांगों के निदान नहीं होने से गुस्साए ठेका मजदूरों और कर्मियों ने आज गुरुवार को गुर्गा चौक सेक्टर 1 में जंगी प्रदर्शन किया। स्टील इम्प्लाइट जूनियन-इंटक व स्टील ठेका श्रमिक

- इंटक के बैनर तले श्रमिकों की 9 व कर्मचारियों की आठ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सेल चेयरमैन व बीएसपी के डीआईसी के नाम आईआर को सौंपा

यूनियन-इंटक के बैनर तले सेल अध्यक्ष और निदेशक प्रभारी बीएसपी के नाम ज्ञापन मुख्य महाप्रबंधक औद्योगिक संबंध एवं ठेका प्रकाश राजीव कुमार एवं वरिष्ठ प्रबंधक राहुल थोटे को ज्ञापन सौंपकर सभी मांगों के जल्द निदान की मांग की गई। ऐसा नहीं होने पर व्यापक आंदोलन करने की चेतावनी दी गई।

इंटक के बैनर तले बीएसपी के ठेका मजदूर और कर्मचारी सेक्टर 1 चौक पर इकट्ठे हुए ।

आईसीएफआई यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह कल, राज्यपाल डेका होंगे मुख्य अतिथि



हमने वरिष्ठ अधिकारी के आदेश पर मौके पर पहुंचकर जांच की थी। बिजली के लगभग हर पोल में इस तरह के उलझे हुए तार दिखाई देते हैं। वर्तमान में केवल वायर बंद पड़ा हुआ है। बिजली बंद होने की शिकायतें आती रहती हैं, जिस पर हमारी टीम लगातार सर्चिंग और सुधार कार्य करती रहती है।

कमलेश कुमार साहू, जेई (पाटन)



सनातन संस्कृति, धार्मिक आस्था सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का प्रतीक हैं दही हांडी



हरिभूमि न्यूज >>>मिलाई

रिसाली सेक्टर में स्व. पप्पू यादव की स्मृति में विशाल मटकी फोड़ और दही हांडी उत्सव का आयोजन किया गया। लोग बड़ी संख्या में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, सराबोर आयोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल, दुर्गा ग्रामीण विधायक

आज भी हम सबके बीच जीवित हैं आज का यह विशाल मटकी फोड़ आयोजन उनकी स्मृति को सच्ची श्रद्धाजलि है। चंद्रकार ने आगे कहा कि दही हांडी का यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ा है, जो हमें सिखाता है कि जब हम

एकजुट होकर, कंधे से कंधा मिलाकर प्रयास करते हैं तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। यह पर्व सनातन संस्कृति, सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक है। हमारी विष्णुदेव सरकार हमारी सनातन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ऐसे आयोजन हमारी नई पीढ़ी को अपने धर्म और संस्कारों से जोड़ते हैं। इस अवसर पर अनुपम साहू, राजू जंघेल, श्रद्धा साहू, दीपक चंद्रकार, शैलेन्द्र सेंडे, विधि यादव, चंद्रेश्वरी बांधे, अजीत चौधरी सहित आयोजक समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

रिसाली सेक्टर में स्व. पप्पू यादव की स्मृति में विशाल मटकी फोड़ और दही हांडी उत्सव का आयोजन किया गया। लोग बड़ी संख्या में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, सराबोर आयोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल, दुर्गा ग्रामीण विधायक

ललित चंद्रकार सम्मिलित होकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। सांसद विजय बघेल ने कहा दही हांडी उत्सव भगवान श्रीकृष्ण के बाल लीलाओं का प्रतीक है जो हमें एकता, टीम भावना और ऊंचे लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति को जीवित रखते हैं। दुर्गा ग्रामीण विधायक ललित चंद्रकार ने कहा कि स्व. पप्पू यादव के विचार और सेवा भाव

संस्कृति, सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक है। हमारी विष्णुदेव सरकार हमारी सनातन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ऐसे आयोजन हमारी नई पीढ़ी को अपने धर्म और संस्कारों से जोड़ते हैं। इस अवसर पर अनुपम साहू, राजू जंघेल, श्रद्धा साहू, दीपक चंद्रकार, शैलेन्द्र सेंडे, विधि यादव, चंद्रेश्वरी बांधे, अजीत चौधरी सहित आयोजक समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

मिलाई इस्पात संयंत्र के गुस्साए ठेका मजदूरों और कर्मियों ने सेक्टर 1 चौक पर किया जंगी प्रदर्शन



फार्मूले में आवश्यक संशोधन कर दुर्गा पूजा पूर्व बोनास का भुगतान मंथली ईस्टैटिव न्यूनतम 10 हजार प्रतिमाह ईस्टैटिव सुनिश्चित कर नॉन-फाइनेंशियल मोटिवेशन स्कीम को पुनः प्रारंभ करने,कर्मचारियों के लिए 650 वर्गफीट तक के आवास के लाइसेंस, रिटेंशन तथा सज्जेक्ट टू वेकेशन आवास आबंटन की व्यवस्था पुनः शुरू करने व फेस्टिवल एडवांस की राशि बढ़ाकर 50 हजार किए जाने की मांग शामिल है। श्री साहू ने कहा मेहनतकशों का मनोबल बनाए मांगें जल्द पूर्ण करने न्यायोचित है। नहीं तो यूनियन चरणबद्ध आंदोलन के लिए सड़क पर उतरेंगी।

ठेका श्रमिकों की प्रमुख मांगें

ठेका श्रमिकों की 26 हजार न्यूनतम वेतन, कैद सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन का पूर्ण लाभ दिलाने, रात्रि भत्ता, साइकिल भत्ता, आवारस भत्ता एवं कैटीन भत्ता दिलाने के साथ ठेका श्रमिकों की अनावश्यक इंटनी तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। साथ ही दुर्गा पूजा एवं दीपावली पर्व पर ठेका श्रमिकों को 20 प्रतिशत बोनास प्रदाय, दुर्घटना बीमा10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख करने की मांग शामिल है। प्रदर्शन में स्टील इस्मप्लाइट जूनियन इंटक एवं स्टील ठेका श्रमिक यूनियन इंटक के पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।



कुम्हारी। कुम्हारी स्थित द आईसीएफआई यूनिवर्सिटी का तृतीय दीक्षांत समारोह 12 सितंबर को रायपुर स्थित बेबीलॉन कैपिटल में आयोजित है। समारोह में राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष (विजिटर) रमन डेका मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, डॉ. जी. सतीश रेड्डी, कुलाधिपति प्रो. डॉ. आर. पी. कौशिक और सौजीपीयूआरसी के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल सहित

अनेक गणमान्य अतिथि विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक वर्ष 2025 और 2026 के कुल 504 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी, जिनमें 460 स्नातक और 44 स्नातकोत्तर छात्र शामिल हैं। उक्तूच शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 19 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा 16 विद्यार्थियों को रजत पदक से अलंकृत किया जाएगा।

HEALTH TOWN

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

मेटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सजिकल हॉस्पिटल

प्रमुख सुविधाएं

- गर्भवती महिलाओं को संपूर्ण जांच व परामर्श
- गर्भवती से सजेरियल डिलीवरी
- एवं बच्चेटानी का ऑपरेशन व नवबंदी
- सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT

डॉ. सी.पी.सिंह
(एनबीसीएस, एनबी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह
(एनबीसीएस, जी.ओ.सी.) स्त्री एवं पुरुष रोग विशेषज्ञ

9009553889, 9090204620
एकता नगर, अमेकनर चौक के पास, बुधवारि रायपुर
सौर : मातृ स्मृति नंगल बाजार, माटसी मॉडरि के सामने, बुधवारि, रायपुर

भास्कर आई केयर

कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!

डॉ. दिलीप लालवानी
जेनर डीप विशेषज्ञ

चेको सर्जरी एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELD'S EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, CHENNAI

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार

लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी / आंखों की सूखती नज्द का इलाज
EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

जिन्हेंकारी सलसंग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) **07714024989 | 9329124989**

एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

- मूत्र रोग एवं सर्जरी
- किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
- प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
- यौन संबंधी समस्याएं
- मजिलारों में पेशाब स्लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

पाइल्स

क्षार सूत्र विशेषज्ञ, 15000 से ऊपर सफल चिकित्सा, देश-विदेशों में भी प्रचलित।

समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)

9039050422, 9179455561

११ सरस्वती दल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर । ११ मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडी मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130



शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है

■ मिनीम एमाउंट में बुकिंग करें ■ जितना सोना उतना चांदी फ्री

संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

फोन लेकर भागे युवक ने खाते से उड़ा 1.48 लाख दुर्ग। शासकीय जिला अस्पताल दुर्ग में मरीज के परिजन से रिश्तेदार को फोन करने के बहाने मोबाइल मांगकर बैंक खाते से 1.48 लाख रुपए से अधिक की ठगी करने वाले आरोपी कमलजीत बांदे उर्फ कमल (29), निवासी ग्राम तमोरा, थाना रानचिरई को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी की रकम से खरीदी गई सामग्री और नकदी समेत 55,700 रुपए का सामान बरामद किया है। महमरा निवासी कुलेश्वर निषाद के पिता का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा था। आरोपी ने उससे मोबाइल लिया और भाग गया। इसके बाद बैंक खाते से 1,48,301 रुपए निकाल लिए गए। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

गांजा बेचने ग्राहक तलाशते दो बालक पकड़े गए
भिलाई। कुम्हारी पुलिस ने डीएमसी तालाब के पास गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे दो नाबालिग बालकों को पकड़ा है। पुलिस ने उनके कब्जे से 1.368 किलोग्राम गांजा और एक हजार रुपए नकद जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 68 हजार 400 रुपए बताई गई है। पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों को 9 सितंबर को शाम 4 बजे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया। बोर्ड के आदेश के बाद दोनों को बाल संप्रवेश गृह भेज दिया गया है।

बीएसपी में 30 किलो कॉपर केबल चोरी सीआईएसएफ के हथे चढ़ा टेका श्रमिक

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

भिलाई स्टील प्लांट में कॉपर केबल चोरी करने के आरोप में सीआईएसएफ ने एक टेका श्रमिक को पकड़ा है। उसके कब्जे से करीब 30 किलो स्क्रेप कॉपर केबल, केबल कटर और मोबाइल फोन बरामद किया गया है। बरामद केबल की अनुमानित कीमत 19,500 रुपए बताई गई है। सीआईएसएफ ने आरोपी को बरामद सामान के साथ भिलाई भट्टी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए

आरोपी की पहचान ईश्वर वर्मा (27), निवासी शारदा पारा, कैप-2 भिलाई के रूप में हुई है। वह भिलाई में कार्यरत अबानी कंस्ट्रक्शन कंपनी का टेका श्रमिक बताया गया है। घटना 9 सितंबर की सुबह की है। सीआईएसएफ के जवान सुबह 6 से 10 बजे तक संयंत्र के भीतर चेकिंग ड्यूटी पर तैनात थे। करीब 6.15 बजे सीएसए गेट पर तैनात जवानों ने गेट नंबर 3 और 4 के बीच बाउंड्री वॉल के अंदर की ओर संदिग्ध गतिविधि देखी। सूचना मिलते ही जवानों ने मौके की घेराबंदी कर एक संदिग्ध को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद बैग से कॉपर केबल के छिले हुए टुकड़े

मिले। वजन कराने पर केबल करीब 30 किलो निकली। इसके अलावा बैग से केबल कटर और एक ओम्पो कंपनी का काला मोबाइल फोन भी बरामद हुआ। पूछताछ में युवक ने अपना नाम ईश्वर वर्मा बताया। सीआईएसएफ के अनुसार वह 8 सितंबर को वैध गेटपास दिखाकर मेन गेट से बीएसपी संयंत्र में दाखिल हुआ था। उसके पास से गेटपास क्रमांक 168164/1/504534 भी बरामद हुआ, जिसकी वैधता 10 अक्टूबर 2026 तक दर्ज है। बरामद कॉपर केबल को बीएसपी के महाप्रबंधक/पीबीएस जीपी कुर्रे के समक्ष प्रस्तुत किया गया। संपत्ति की कीमत 19500 बताई गई है।

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

स्वाइन फ्लू के संक्रमण को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन के बावजूद सार्वजनिक और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लोगों में अपेक्षित सतर्कता नजर नहीं आ रही है। बाजार, अस्पताल, सार्वजनिक परिवहन और अन्य भीड़ वाले स्थानों पर कई लोग बिना मास्क के नजर आते हैं। ऐसे में संक्रमण के प्रसार की आशंका बनी रहती है। दुर्ग जिले में स्वाइन फ्लू के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। जिले में 5 अगस्त से 10 सितंबर तक स्वाइन फ्लू के कुल 42 पांजिटिव मामले सामने आए हैं। इनमें से वर्तमान में 15 मरीज एक्टिव हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 10



■ भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क से दूरी, एक और संक्रमित मिला

मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है, जबकि 5 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। वहीं गुरुवार को एक नया मरीज मिला है। सभी की स्थिति फिलहाल सामान्य बताई

स्वाइन फ्लू: अब तक 42 संक्रमित

गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक जिले में नए पांजिटिव मरीज मिलने पर कांटेक्ट ट्रेसिंग की जा रही है और मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है। विभाग ने लोगों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने की अपील की है।

27 मरीज डिस्चार्ज

10 सितंबर की रिपोर्ट के अनुसार जिले में स्वाइन फ्लू के कुल 42 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें 15 एक्टिव केस हैं, जबकि 27 मरीजों को उपचार के बाद डिस्चार्ज किया जा चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक 10 सितंबर को एक नया मरीज सामने आया है। वहीं 14 पुराने मरीजों का उपचार चल रहा है। कुल 15 मरीज भर्ती हैं। सभी का इलाज जारी है।

ट्रैफिक पुलिस का 1 जनवरी से 31 अगस्त तक चले अभियान का असर

बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 67 हजार पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

ट्रैफिक पुलिस ने सविक सेंटर मार्केट क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और वाहन चालकों, आम नागरिकों को जाम की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से पार्किंग व्यवस्था की गई है। सविक सेंटर मार्केट क्षेत्र में वाहनों की पार्किंग के लिए सड़क किनारे सफेद लाइन के भीतर निर्धारित स्थान लेन बनाया गया है। कई वाहन चालक अपने दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों को निर्धारित पार्किंग क्षेत्र से बाहर, सड़क पर बेतरतीब तरीके से खड़ा कर देते हैं। इससे सड़क पर वाहनों के आवागमन के लिए उपलब्ध स्थान कम हो जाता है। ट्रैफिक बाधित होने के साथ-साथ जाम की स्थिति निर्मित होती है। ट्रैफिक पुलिस दुर्ग द्वारा वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे अपने वाहन केवल सफेद लाइन के अंदर निर्धारित पार्किंग क्षेत्र में ही पार्क करें। किसी भी स्थिति में वाहन को पार्किंग लेन से बाहर, मुख्य मार्ग पर अथवा इस प्रकार न खड़ा करें। जिससे अन्य वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न



हो। सविक सेंटर क्षेत्र के दुकानदारों से भी अपील की गई है कि वे अपने ग्राहकों एवं आम नागरिकों को निर्धारित पार्किंग क्षेत्र में ही वाहन खड़ा करने के लिए प्रेरित करें। ट्रैफिक व्यवस्था को बाधित करने वाले वाहनों के

खिलाफ ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगातार निगरानी रखी जाएगी। ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने पर सख्ती जारी, विगत 08 माह में 1,18,627 वाहन चालकों पर कार्यवाही की गयी।

बिना हेलमेट के वाहन चलाने वाल 67 हजार 869 चालकों पर कार्रवाई

ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि हादसों में कमी लाने के लिए वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करना है अनिवार्य होगा। ट्रैफिक पुलिस दुर्ग द्वारा पुलिस एसएसपी पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सड़क हादसों की रोकथाम, ट्रैफिक व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान वर्ष 2026 के विगत 8 माह में कुल 1,18,627 वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट, वर्ष 2025 में कुल 1,17,936 वर्ष 2024 में 60,215 वाहन चालकों के खिलाफ नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई। वर्ष 2026 में अब तक की गई कार्रवाई में सबसे अधिक बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 67,869 वाहन चालकों पर शिर्का कसा गया। नो पार्किंग में 9,640, बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने वाले 5,783, दो पहिया वाहन में तीन सवारी बैठाकर चलाने वाले 5,634 वाहन चालकों कार्रवाई हुई है।

पूछताछ के लिए पहुंची पीएसआई पर डॉक्टर ने किया हमला, दांत से काटा

भिलाई। सेक्टर-8 में एक मामले की विवेचना के लिए पहुंची महिला पुलिसकर्मी के साथ कथित तौर पर मारपीट और हाथ की उंगली में दांत से काटने का मामला सामने आया है। थाना भिलाई नगर पुलिस ने मामले में डॉ. झरना राणा उर्फ स्वीटी के खिलाफ धारा 121(1) और 221 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है। घटना के दौरान महिला पुलिसकर्मी के हाथ की उंगली से खून निकलने की बात शिकायत में कही गई है।

मिली शिकायत के अनुसार पीएसआई लीनिमा साहू, जो थाना उतई में प्रशिक्षु उप निरीक्षक के पद पर पदस्थ हैं, वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर थाना अंडा में दर्ज धारा 137(2) बीएनएस के प्रकरण की विवेचना में सहयोग के लिए गई थीं। थाना अंडा में आमद देने के बाद वह हमराह स्टॉफ के साथ शासकीय कार्य से सेक्टर-8 भिलाई पहुंचीं। यहां प्रकरण से जुड़ी पीड़िता के संबंध में पूछताछ के लिए पुलिस टीम डॉ. झरना राणा उर्फ स्वीटी के क्वार्टर पर पहुंची। शिकायत के मुताबिक पुलिसकर्मी घर के बाहर महिला से पूछताछ कर रही थीं। इसी दौरान महिला घर के अंदर चली गईं। पीएसआई लीनिमा साहू भी उसके पीछे अंदर गईं। आरोप है कि रसोई में महिला के बाएं हाथ में पानी की बोतल में मिट्टी का तेल और दाहिने हाथ में माचिस थी। पुलिसकर्मी ने जब उससे पूछा कि वह क्या कर रही है, तब महिला कथित तौर पर मिट्टी तेल की बोतल खोलने लगी। स्थिति को देखते हुए प्रशिक्षु पुलिस सब इंस्पेक्टर ने महिला के हाथ से मिट्टी तेल की बोतल लेने का प्रयास किया और उसे बाहर लेकर आई। इसी दौरान विवाद बढ़ गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि महिला ने पुलिसकर्मीयों से पूछताछ करने के तरीके को लेकर विरोध किया और शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए पुलिसकर्मी को कर्तव्य पालन से रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान कथित तौर पर महिला ने प्रशिक्षु पुलिस सब इंस्पेक्टर के साथ धक्का-मुक्की की और उनके बाएं हाथ की उंगली को दांत से काट लिया। शिकायत के अनुसार काटने से उंगली में चोट आई और खून निकलने लगा। मौके पर मौजूद हमराह स्टॉफ ने बीच-बचाव किया। घटना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी दी गई। इसके बाद पुलिस सब-इंस्पेक्टर लीनिमा साहू ने थाने पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर डॉ. झरना राणा उर्फ स्वीटी के खिलाफ धारा 121(1) और 221 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज की है।

लाइव इवेंट

201 टीमों के 1203 विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए तकनीकी नवाचार



भिलाई। वास्तविक जीवन की समस्याओं के तकनीकी समाधान तलाशने और विद्यार्थियों में नवाचार की सोच विकसित करने के उद्देश्य से भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बीआईटी, दुर्ग में गुरुवार को स्मार्ट इंडिया हैकार्थन 2026 के लिए आंतरिक हैकार्थन आयोजित किया गया। बीआईटी एआईसीटीई आइडिया लैब एवं इंस्टीट्यूशन इनोवेशन कार्डसिल के संयुक्त तत्वावधान में हुए आयोजन में 201 टीमों के 1203 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने 59 हार्डवेयर और 142 सॉफ्टवेयर प्रोजेक्ट आइडिया प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने कृषि, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, स्मार्ट ऑटोमेशन, स्वास्थ्य तकनीक, स्मार्ट शिक्षा, स्मार्ट वाहन, अंतरिक्ष तकनीक, परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स, रोबोटिक्स, ड्रोन, स्क्वच एवं हरित तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट जल शुद्धिकरण जैसे क्षेत्रों में समाधान प्रस्तुत किए। सॉफ्टवेयर श्रेणी में विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, स्वचालन, साइबर सुरक्षा और डेटा आधारित अनुप्रयोगों के माध्यम से डिजिटल समाधान विकसित किए। वहीं हार्डवेयर श्रेणी में सेंसर, माइक्रोकंट्रोलर, रोबोटिक्स, स्वचालन और सतत तकनीक पर आधारित प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए गए। आंतरिक मूल्यांकन विशेषज्ञ पैनल ने नवाचार, तकनीकी व्यवहार्यता, कार्यान्वयन रणनीति, विस्तार क्षमता और सामाजिक प्रभाव जैसे मानदंडों पर टीमों का मूल्यांकन किया। चयनित टीमें राष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट इंडिया हैकार्थन 2026 में बीआईटी दुर्ग का प्रतिनिधित्व करेंगी।

बीआईटी के सदस्य सचिव आई.पी. मिश्रा ने कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों को तकनीक के माध्यम से समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान तलाशने के साथ उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। प्राचार्य डॉ. अनूप मिश्रा ने प्रतिभागी विद्यार्थियों और आयोजन टीम को बधाई दी। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अभिषेक वर्मा और एसपीओसी डॉ. अनुपम अग्रवाल ने किया। आयोजन में डॉ. अनिल कुमार, डॉ. योगेश तिवारी, डॉ. रौनक कुमार ताम्रकार

लाइव इवेंट

झूले में विराजे लड्डु गोपाल, गूंजे बधाई गीत, कढ़ी-चावल और हरिरा का लगाया भोग



भिलाई। नन्हें कान्हा के जन्म की खुशी में एक बार फिर मंदिर परिसर बधाई गीतों और भजनों से गूंज उठा। सेक्टर-6 स्थित ब्रजमंडल के श्री राधाकृष्ण मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के छठे दिवस छठी पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। पं. सरजू प्रसाद द्विवेदी के नेतृत्व में ब्रजमंडल सखियां महिला समिति एवं महिला श्रद्धालुओं ने बाल स्वरूप लड्डु गोपाल का पंचामृत से अभिषेक किया। दूध, दही, शहद और गंगाजल से स्नान कराकर गोपाल सहस्रनाम स्तोत्र का पाठ किया गया। इसके बाद भगवान को पीले वस्त्र धारण कराकर आकर्षक श्रृंगार किया गया।

मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों और फूलों से सजाया गया। भगवान बालकृष्ण के विग्रह को पुष्पों से सुसज्जित विशेष झूले में विराजित किया गया। छोटे बालक को श्रीकृष्ण के रूप में सजाकर वासुदेव और यशोदा माता के स्वरूप में सजीव झंकी भी प्रस्तुत की गई। पूजन के बाद माखन-मिश्री, कढ़ी-चावल, हरिरा, खिचड़ी और विभिन्न मिष्ठानों का भोग लगाया गया। पं. सुनील कुमार द्विवेदी और पं. गोपाल शर्मा ने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। महिला श्रद्धालुओं ने बधाई गीत, सोहर और भजन-कीर्तन करते हुए नृत्य किया और आनंद उत्सव मनाया। श्रद्धालुओं ने बालकृष्ण को फल, मिठाई और विभिन्न उपहार अर्पित किए। अंत में सभी को भोग-प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर ब्रजमंडल सखियां महिला समिति की अनुपमा मंगल, भावना तोमर, मधु वाष्ण्य, शैलजा वाष्ण्य, दीपशिखा राघव, साधना गोयल, आरती शर्मा, अनिता यदुवंशी, मोनिका मंगला, सुनीता वर्मा, उषा शर्मा, चित्रा राघव, सुनीता शर्मा, मनोषा गुप्ता, शोला सिंह, के.वी. इंदिरा, कुमकुम गुप्ता, भारती गोयल, शशि प्रभा वर्मा, मौना राणा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।



● गणेशोत्सव में घर-घर दिखेगी रौनक। छोटा पंडाल, बड़ी भक्ति, आर्टिफिशियल पंडाल से सजेगी आस्था

मिनी पंडाल ऑन डिमांड, कम जगह और बजट में मंदिर जैसा आकर्षक लुक बन रहा गणेशोत्सव का नया ट्रेंड

भिलाई। त्योहार नजदीक आते ही दिवनसिटी के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। इस बार गणेशोत्सव की धूम सिर्फ बड़े-बड़े सार्वजनिक पंडालों तक सीमित नहीं रहने वाली। घरों के ड्रॉइंग रूम, बालकनी और छोटे-से पूजा स्थल में भी विघ्नहर्ता के स्वागत की तैयारियां पूरे उत्साह से हो रही हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार आस्था के इस छोटे से कोने को सजाने के लिए लोगों ने नया रास्ता चुना है मिनी आर्टिफिशियल पंडाल। बाजार में मंदिर जैसे दिखने वाले छोटे-छोटे पंडाल लोगों को खासा आकर्षित कर रहे हैं। तैयार पंडाल घर में आसानी से लगाया जा सकता है और इसे सजाने में न तो ज्यादा जगह चाहिए, न ही बड़ा बजट। गणेशोत्सव में अब दो दिन बाकी हैं और दिवनसिटी के बाजारों में गणपति की मूर्तियों से लेकर फूल, सजावटी सामान, रोशनी और पूजा सामग्री की खरीदारी तेज हो गई है। इसी बीच सेक्टर-6 फूल मार्केट में तैयार हो रहे मिनी पंडाल लोगों के लिए नया आकर्षण बने हुए हैं। राउंड, चौकोर, बॉक्स और अलग-अलग आकार में तैयार किए जा रहे इन पंडालों में रंग-बिरंगी रोशनी, कृत्रिम फूल, सजावटी कपड़े और आकर्षक डिजाइन का इस्तेमाल किया जा रहा है। कुछ पंडालों में संगीत और विशेष लाइटिंग की व्यवस्था भी की जा रही है।

छोटे आकार में बड़े पंडाल वाली फील

मिनी पंडालों की खास बात यह है कि इन्हें घर की उपलब्ध जगह के हिसाब से तैयार किया जा रहा है। थर्माकोल, फाइबर और सजावटी कपड़ों से बने ये पंडाल वजन में हल्के हैं और इन्हें आसानी से एक जगह से दूसरी जगह लगाया जा सकता है। टिश्यू, मलमल और शिफॉन के कपड़ों के साथ कृत्रिम फूलों की सजावट इन्हें पारंपरिक मंदिर जैसा रूप देती है। यही वजह है कि बच्चों से लेकर परिवार के बड़े सदस्यों तक इन डिजाइनों को पसंद कर रहे हैं।

इस बार बाजार में करीब 700 से 5000 रुपए तक की कीमत में मिनी पंडाल उपलब्ध हैं। यानी परिवार अपनी पसंद और बजट के अनुसार छोटा या ज्यादा सजावटी पंडाल चुन सकता है। रेडीमेड होने के कारण अलग से कारीगर बुलाने और कई दिनों तक सजावट में जुटने की जरूरत भी नहीं पड़ती।

घर की सजावट में बचत का नया तरीका

पहले घर पर गणेश प्रतिमा स्थापित करने वाले परिवार पूजा स्थल के लिए अलग से सजावट करवाते थे। फूलों और अन्य सजावटी सामग्री पर खर्च के साथ समय भी काफी लगता था। अब तैयार मिनी पंडाल इस जरूरत को आसान बना रहे हैं। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली आकर्षक सजावट से प्रेरित होकर लोग घर में भी छोटे लेकिन सुंदर पूजा स्थल तैयार करना चाहते हैं। ऐसे में रेडीमेड पंडाल उनके लिए सुविधाजनक विकल्प बनकर सामने आए हैं। दुकानदारों के मुताबिक छोटे आकार और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले सजावटी ढांचे लोगों को पसंद आ रहे हैं। खासकर ऐसे परिवार, जिनके घर में बड़े पंडाल के लिए पर्याप्त जगह नहीं है, वे मिनी पंडाल को प्राथमिकता दे रहे हैं।



बच्चों की पसंद बना मंदिर जैसा पंडाल

गणपति स्थापना की तैयारी के लिए बाजार पहुंचे कुछ परिवारों ने बताया कि वे हर साल घर में गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं, लेकिन इस बार बच्चों की पसंद पर सजावट में बदलाव किया है। बच्चों को मंदिर जैसे दिखने वाले ये छोटे पंडाल काफी पसंद आ रहे हैं। परिवार के लिए भी यह सुविधाजनक है, क्योंकि कम जगह में पूरा पूजा स्थल तैयार हो जाता है और घर की सजावट भी निखर जाती है।

दुकानदार बोले डिमांड देखकर तैयार कर रहे नए डिजाइन

सेक्टर-6 फूल मार्केट स्थित जेना फ्लावर सेंटर के संचालक अरुण जेना ने बताया कि वे करीब 30 वर्षों से फूल और सजावट के कारोबार से जुड़े हैं। पिछले वर्ष से उन्होंने मिनी आर्टिफिशियल पंडाल तैयार कर बेचने शुरू किए थे, लेकिन इस बार इनकी मांग पहले की तुलना में बढ़ी है। ग्राहकों की पसंद के अनुसार राउंड, चौकोर, बॉक्स और अलग-अलग डिजाइन में पंडाल तैयार किए जा रहे हैं। इनमें लाइटिंग और म्यूजिकल इफेक्ट का विकल्प भी दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पहले गणेश पूजा या जन्माष्टमी के लिए घर में सजावट करवाने पर कृत्रिम या ताजे फूलों का अलग खर्च आता था। अब तैयार मिनी पंडाल कम समय और अपेक्षाकृत कम बजट में सजावट का विकल्प दे रहे हैं। इस बार दुर्ग-भिलाई के अलावा रायपुर से भी मिनी पंडाल के ऑर्डर मिले हैं।



सरयूपारीण ब्राह्मण समाज के प्रतिभाशाली बच्चों और युवाओं का 2 अक्टूबर को होगा सम्मान

भिलाई। समाज के प्रतिभाशाली बच्चों और युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरयूपारीण ब्राह्मण समाज द्वारा 2 अक्टूबर को सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। इसी संबंध में समाज की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक ब्रह्मप्रकाश भवन, स्मृति नगर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता समाज अध्यक्ष प्रभु नाथ मिश्रा ने की। महासचिव रामलखन मिश्रा ने बताया कि प्रति वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी प्रतिभाशाली बच्चों एवं युवाओं का सम्मान किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजीव प्रकाश, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई तथा विशिष्ट अतिथि प्रेम प्रकाश पांडेय, पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा होंगे। अध्यक्ष प्रभु नाथ मिश्रा ने बताया कि सम्मान समारोह 2 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे



से ब्रह्मप्रकाश भवन, स्मृति नगर में आयोजित होगा। उन्होंने समाज के सभी सदस्यों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रतिभाशाली बच्चों का उत्साह बढ़ाने और उन्हें आशीर्वाद देने का आग्रह किया। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष विष्णु पाठक ने समाज के पालकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों की योग्यता संबंधी दस्तावेज 20 सितंबर तक समाज के पदाधिकारियों के पास जमा करें। इसके लिए 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली अंकसूची की प्रति, पासपोर्ट साइज फोटो तथा राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम या द्वितीय स्थान प्राप्त करने का प्रमाणपत्र जमा किया जा

सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के बच्चे ही देश की आन, बान और शान हैं तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना समाज की जिम्मेदारी है। बैठक का संचालन कार्यकारी अध्यक्ष नागेंद्र पांडेय ने किया। इस अवसर पर प्रभु नाथ मिश्रा, रामलखन मिश्रा, नागेंद्र पांडेय, विष्णु पाठक, दिनेश मिश्रा, कैलाश पाठक, सुनील मिश्रा, सुभाष चंद्र पांडे, डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, हरिकृष्ण पांडे, चंद्रशेखर पांडे, नरबदा प्रसाद मिश्र, दीपक मिश्रा, वीरेंद्र नाथ पांडे, संजय मिश्रा, रविंद्र शुक्ला, राजेंद्र दुबे, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष लोकेश पांडे और उदित पांडे उपस्थित रहे।

जाप और तप में श्रावक-श्राविकाएं, बच्चे, युवा समुदाय के लोग बड़ी संख्या में हो रहे शामिल

दुर्ग। जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब में पर्युषण पर्व के तीसरे दिवस धर्मसभा का आयोजन आध्यात्मिक वातावरण में हुआ। मानव मिलन संस्थापक नेपाल केसरी रात्र संत डॉ. श्री मणिभद्र मुनि जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छी आदतों को स्वीकार करने में समय अधिक लगता है, जबकि बुरी आदतों को ग्रहण करने में कम समय लगता है। इसलिए जीवन से बुरी आदतों को दूर करने के लिए अच्छी आदतों को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अच्छी आदतों के निर्माण के लिए धर्म और संस्कारों का होना जरूरी है। आज मनुष्य के जीवन में दुखी रहना भी एक आदत बन गई है। परिस्थितियां चाहे जैसी हों, दुख में भी सुख खोजना एक महान कला है। मनुष्य मोह के कारण बार-बार दुखों को भोगता है। यदि जीवन में अपेक्षाओं को कम कर दिया जाए और दूसरों से किसी प्रकार की अपेक्षा न रखी जाए, तो जीवन अधिक सहज और आनंदमय बन सकता है।

डॉ. मणिभद्र मुनि ने कहा कि अपनी मस्ती में जीना ही जीवन है, जो अपना नहीं वह सपना है। उन्होंने श्रद्धालुओं को जीवन में सकारात्मक सोच, अच्छे संस्कार और धर्म के मार्ग को अपनाने का संदेश दिया।

पर्युषण पर्व के तीसरे दिवस नवकार महामंत्र जाप अनुष्ठान एवं आचार्य सम्राट



जयमल महाराज का चमत्कारिक जाप भी जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब में श्रद्धा और भक्ति के साथ जारी रहा। बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने जाप एवं धर्म आराधना में सहभागिता की।

धर्मसभा में महिला वर्ग की विशेष उपस्थिति आकर्षण का केंद्र रही। महिलाएं गुलाबी साड़ियों में सामूहिक रूप से उपस्थित होकर पर्युषण पर्व की आराधना में सहभागी बनीं। पूरे रतन भवन परिसर में भक्ति, साधना और धर्ममय वातावरण बना रहा।

धार्मिक अंताक्षरी प्रतियोगिता

श्रमण संघ महिला मंडल के द्वारा धार्मिक अंताक्षरी प्रतियोगिता जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब दुर्ग में आयोजित थी जिसमें दस ग्रुपों में आयोजित अंताक्षरी प्रतियोगिता में श्रमण संघ की महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एक ग्रुप में 5 महिलाएं शामिल थी जिसमें प्रथम स्थान पर पलक श्री श्री माल भारती पारख धुरी श्री श्रीमाल कविता रतनबोहरा संगीता बाफना रही

वहीं द्वितीय स्थान पर जूही संचेती नेहा सुरणा कंचन चतुर्माता इंदिरा बोहरा मोनिका चोपड़ा विजेता रही। अंताक्षरी प्रतियोगिता का संयोजन रुचिका बाघमार चंदारूणवाल, अंकिता संचेती ने किया।

प्रतिदिन रात्रि में आचार्य सम्राट जयमल जी महाराज का चमत्कारी जाप चल रहा है जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं, बच्चे, युवा समुदाय के लोग बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। गुरुदेव मणिभद्र मुनि महाराज के मंगल पाठ के साथ जाप का समापन हुआ।

कल से सजेगा रामदेव बाबा का भादवा मेला

दुर्ग। रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर, पुलगांव नाका में 12 से 21 सितंबर तक 10 दिवसीय रामदेव बाबा के भादवा मेला का आयोजन किया गया है। भादवा मेला के दौरान प्रतिदिन रात 10 बजे से जम्मा जागरण एवं भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें देश-प्रदेश के प्रसिद्ध भजन गायक अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं की भक्ति और आस्था से सराबोर करेंगे। इस अवसर पर दरबार में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को परचों का पुष्प लाभ भी प्राप्त होगा। आयोजन समिति के प्रमुख रमेश कुमार जैन एवं पायल जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि रामदेव बाबा के परम भक्त सोहनलाल बापजी चालीसगांव, महाराष्ट्र के पुण्य प्रताप से तथा भक्तमाता शांतादेवी बापजी के सानिध्य में भादवा मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले में छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों से



भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए दरबार परिसर में भव्य वाटरपूफ पंडाल तैयार किए गए हैं। आयोजन की शुरुआत 12 सितंबर को भव्य जम्मा जागरण एवं श्री रामदेव बाबा के जन्मोत्सव की प्रस्तुति के साथ होगी। इस दिन दुर्ग के प्रसिद्ध भजन गायक गौरव बजाज भजनों की प्रस्तुति देंगे।

सिटी इवेंट

विद्यार्थियों सहित समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

दुर्ग। पुलगांव स्थित भारती विश्वविद्यालय के भारती आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज परिसर में गुरुवार को श्री मानव सेवा फाउंडेशन छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भारती विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। रक्तदान शिविर में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों

■ जिला अस्पताल को मिले 55 यूनिट रक्त

■ एनएसएस इकाई और मानव सेवा फाउंडेशन की पहल

के छात्र-छात्राओं सहित समाजसेवियों और अन्य लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। शिविर के माध्यम से जिला चिकित्सालय दुर्ग के ब्लड बैंक को कुल 55 यूनिट रक्त प्राप्त हुआ। शिविर में भारती विश्वविद्यालय के बीएससी फॉरसिक साइंस, बीफार्मेसी, एलएलबी, बीकॉम और बीएमएस के छात्र-छात्राओं ने रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। इस दौरान मानव सेवा फाउंडेशन के कीर्ति कुमार, विश्वविद्यालय के चेयरमैन एवं कुलाधिपति सुशील चंद्राकर, ज्वाइंट डायरेक्टर जय चंद्राकर, रजिस्ट्रार डॉ. वीरेंद्र कुमार स्वर्णकार, प्रभुजोत सिंह भुई, डॉ. आरपी अग्रवाल, योगेश देशमुख, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. लोकेश सिंह, डॉ. अनुश्री, डॉ. पूनम राजपूत और डॉ. आकांक्षा चंद्रवंशी मौजूद रहे। समाजसेवी हिमांशु चंद्राकर ने भी शिविर में सहभागिता की। एनएसएस सदस्यों निखिल देव प्रसाद, प्रियंका सिन्हा, योगिता सिन्हा, वीरेंद्र वैष्णव और रजत आनंद ने शिविर के आयोजन में सहयोग किया। रक्त संग्रहण के लिए जिला चिकित्सालय दुर्ग के ब्लड बैंक की टीम भी मौजूद रही। टीम में चिकित्सालय अधिकारी डॉ. लियासन चौधरी, परामर्शदाता टीएस एंथोनी, स्टाफ नर्स तरुणा रावत तथा लैब टेक्नीशियन रूपेश सपें, सूरज कुरें, कृष्णकांत तिवारी और ओमकार शामिल रहे। शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

धर्म इवेंट

जीवन में ईर्ष्या, द्वेष, छल व दुर्भावना से बचें, कर्म की गठरी कहीं नहीं जाती



भिलाई। वेद प्रचार अभियान के दूसरे दिन शांति नगर में वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में क्रांति तिवारी एवं हरीश पुरी गोस्वामी उपस्थित रहे। वैदिक वातावरण में संपन्न कार्यक्रम में यज्ञ, वेद मंत्रों का उच्चारण, ईश्वर भक्ति के भजन और कर्मफल के सिद्धांत पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए गए। सहारनपुर, उत्तर प्रदेश से पधारे भजन गायक अमरेश आर्य ने सुमधुर भजनों के माध्यम से ईश्वर भक्ति, सद्कर्म और कर्मों के फल का भावपूर्ण संदेश दिया। उनके भजनों ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक भाव से जोड़ते हुए यह अनुभूति कराई कि ईश्वर की भक्ति केवल शब्दों या भावनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि उसके साथ श्रेष्ठ कर्म और पवित्र आचरण भी आवश्यक हैं। आचार्य अंकित शर्मा शास्त्री ने यज्ञ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वैदिक मंत्रों का उच्चारण कराया। उन्होंने कहा कि यज्ञ केवल अग्नि में आहुति डालने की क्रिया नहीं, बल्कि त्याग, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण, सद्भाव और लोककल्याण की वैदिक भावना का प्रतीक है। वेद मंत्रों के सामूहिक उच्चारण से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा।

सिटी लाइव

जीवन के विविध रंगों से सजे डॉ. भगवती के कहानी संग्रह राहगीर का विमोचन



भिलाई। संधान जन कल्याण समिति के तत्वावधान में साहित्यकार डॉ भगवती साहू के प्रथम कहानी संग्रह राहगीर का विमोचन किया गया। विमोचन समारोह में साहित्य जगत की जानी-मानी हस्तियां, भाषाविदों और साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति रही। समारोह में साहित्यकारों ने कहानी संग्रह के भाषा शिल्प और सौंदर्य, वैचारिक सरोकारों के साथ ही वर्तमान सामाजिक संदर्भों में उसकी प्रासंगिकता पर सार्थक विमर्श किया। समिति के सचिव एवं शिक्षाविद डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा ने कहा कि किसी भी रचनाकार के लिए उसकी पहली कृति का विमोचन किसी उत्सव से कम नहीं होता। यह उसकी लेखन यात्रा के प्रमाणिकरण का महत्वपूर्ण क्षण होता है। डॉ. भगवती साहू ने कहा कि राहगीर में उन्होंने अपने आसपास की घटनाओं को शब्दों में पिरोने का प्रयास किया है। उन्हें विश्वास है कि संग्रह की कहानियां पाठकों के मर्म को अवश्य स्पर्श करेंगी। अध्यापन और लेखन में बेहतरीन संतुलन वरिष्ठ साहित्यकार रवि श्रीवास्तव ने अध्यापन के साथ लेखन जारी रखने के लिए डॉ भगवती साहू के साहस की सराहना की। डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी, रचनाकार गुलबीर सिंह भाटिया, डॉ. रमेश अनुपम, डॉ. अभिनेश सुराना ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन शरद कोकास ने किया। समारोह में रचनाकार लोकबाबू, कवयित्री संतोष झांझी, व्यंग्यकार विनोद साव, लेखिका डॉ. अंजना श्रीवास्तव, सुरेश सिंह, शायर मुमताज, बाल साहित्यकार कमलेश चंद्राकर, नाट्य निर्देशक विभाष उपाध्याय, विजय दिल्लीवार, शुचि भवि, डॉ. अर्चना झा, टी सहदेव, दीपक दास, डॉ. रूपमती साहू, शंभू राम साहू, डॉ. मेधा साहू और विनोद साहू आदि मौजूद थे।

● सेक्टर-10 के गणेशोत्सव में दिखेगी केदारनाथ से रामेश्वरम तक की दिव्य झांकी

12 ज्योतिर्लिंगों के एक साथ होंगे दर्शन, श्रद्धालुओं को मिलेगा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव



भिलाई। गणेशोत्सव के अवसर पर इस वर्ष सेक्टर-10 स्थित गुड़िया मंडप के सामने बनने वाला गणेश पंडाल श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। गणेश उत्सव एवं जन सेवा समिति द्वारा तैयार की जा रही भव्य झांकी में उत्तर के हिमालयी धाम केदारनाथ से लेकर दक्षिण के रामेश्वरम धाम तक की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। समिति द्वारा आयोजित यह पांचवां वर्ष है, जिसमें एक ही स्थान पर देश के प्रमुख तीर्थों और सनातन संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। झांकी का मुख्य आकर्षण भगवान शिव के बारहों ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृतियां होंगी। श्रद्धालु एक ही परिसर में 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर सकेंगे। इसके साथ ही केदारनाथ धाम के प्राकृतिक और आध्यात्मिक वातावरण को विशेष रूप से साकार किया जा रहा है। पहाड़, नदी, झरने, जंगल और प्राकृतिक दृश्यों के बीच भगवान भोलेनाथ की प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को हिमालय की दिव्यता का अनुभव हो सके। समिति के सदस्यों के अनुसार झांकी में भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और धार्मिक मूल्यों को आधुनिक प्रस्तुति के साथ प्रदर्शित किया जाएगा। समुद्र तट पर स्थित रामेश्वरम धाम का दृश्य भी आकर्षक रूप से तैयार किया जा रहा है। यहां भगवान श्रीराम द्वारा शिवलिंग स्थापना और पूजा-अर्चना किए जाने की पौराणिक कथा को सजीव रूप में दर्शाया जाएगा। साथ ही रामायण काल की घटनाओं से जुड़ी वानर सेना द्वारा सेतु निर्माण की झलक भी श्रद्धालुओं को देखने मिलेगी। आयोजन समिति का कहना है कि झांकी का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और देश के महान तीर्थस्थलों से जोड़ना भी है। तैयारियां अंतिम चरण में हैं और प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु निर्माण कार्य देखने पहुंच रहे हैं। समिति के अध्यक्ष टी रामदास, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलेस साहू और महासचिव लोकेश साहू ने बताया कि इस वर्ष की झांकी को पहले से अधिक भव्य और दर्शनीय बनाने का प्रयास किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को गणेशोत्सव के दौरान एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त हो सके।

जागरूकता कार्यक्रम

एसएसपी ने 500 से ज्यादा विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचने के बताए तरीके

भिलाई। साइबर ठग नए-नए तरीकों से लोगों को झांसे में लेकर बैंक खातों और निजी जानकारी पर संघ लगा रहे हैं। ऐसे में डिजिटल लेन-देन के दौरान सतर्कता बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को कल्याण महाविद्यालय, भिलाई में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल और मैसेज, संदिग्ध लिंक, व्यूआर कोड, सोशल मीडिया अकाउंट की सुरक्षा और डिजिटल लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। साइबर फ्राड्स के नोडल अधिकारी डॉ. संकल्प राय ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध के बदलते तरीकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी कई बार डर, लालच या विश्वास का फायदा उठाकर लोगों से गोपनीय जानकारी हासिल करते हैं। विद्यार्थियों को ओटीपी, यूपीआई पिन, एटीएम पिन, सोबीवी और पासवर्ड किसी के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी गई। संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने, अनजान व्यूआर कोड स्कैन करने या किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर ऑनलाइन भुगतान करने से पहले उसकी सत्यता जांचने की बात भी कही गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने विद्यार्थियों से साइबर सुरक्षा को लेकर सजग रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि बैंकिंग से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी व्यक्ति के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। किसी भी ऑनलाइन लेन-देन से पहले संबंधित व्यक्ति या संस्था का सत्यापन जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे खुद सतर्क रहने के साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी दें।

रूंगटा यूनिवर्सिटी में कैंसर के उपचार पर हुई कार्यशाला

कैंसर के बेहतर इलाज की दिशा में महत्वपूर्ण चर्चा, विशेषज्ञों ने समझाया रेडिएशन से कैसे बचती हैं कैंसर की कोशिकाएं

भिलाई। स्वीडन की स्टॉकहोम यूनिवर्सिटी में आणविक रेडिएशन बायोलॉजी पर शोध कर रहे डॉ. प्रबोध कुमार मेहर ने कहा कि कैंसर के इलाज में रेडिएशन का असर हर कैंसर कोशिका पर एक जैसा नहीं होता। कुछ कोशिकाएं रेडिएशन से जल्दी खत्म हो जाती हैं, जबकि कुछ कोशिकाएं इसके असर से बचने में कामयाब हो जाती हैं। इसी अंतर को समझना कैंसर के बेहतर इलाज की दिशा में महत्वपूर्ण है। डॉ. मेहर स्कैंडिनेवियन स्किल्स यूनिवर्सिटी में आयोजित बैस्विस ऑफ रेडिएशन बायोलॉजी इन कैंसर रिसर्च विषयक कार्यशाला में स्पीकर थे। कार्यशाला में विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को बताया गया कि रेडिएशन कैंसर कोशिकाओं के अंदर किस तरह असर करता है। रेडिएशन से कैंसर कोशिकाओं के डीएनए को नुकसान पहुंचता है। इसके बाद कोशिका इस नुकसान को ठीक करने की कोशिश करती है। कई बार वह नष्ट हो जाती है, लेकिन कुछ कोशिकाएं नुकसान की मरम्मत कर खुद को बचा लेती हैं। कैंसर का सत्यापन में यही प्रक्रिया एक बड़ी चुनौती बन सकती है। डॉ. मेहर भारत, जर्मनी और स्वीडन में नौ साल से अधिक समय से शोध से जुड़े रहे हैं। उनका शोध रेडिएशन से होने वाली डीएनए क्षति और उसकी मरम्मत, अलग-अलग लोगों में रेडिएशन की प्रतिक्रिया, कैंसर के खतरे और रेडियोथेरेपी के परिणामों पर केंद्रित है। उनके 20 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

झांकी के प्रमुख आकर्षण

लोकेश साहू ने बताया कि मगवान गणेश प्रतिमा

12 फीट की महाराष्ट्र के दशरुशेठ की रूप में बनाई गई है। जो कि ग्राम थनौद में प्रतिमा तैयार हो रही है। झांकी के प्रमुख आकर्षण में 12 ज्योतिर्लिंगों के एक साथ दर्शन, केदारनाथ धाम की जीवंत प्रतिकृति, रामेश्वरम धाम और रामायण प्रसंगों का प्रदर्शन रहेगा। साथ ही वानर सेना द्वारा सेतु निर्माण की झांकी, पहाड़, नदी, झरने और प्राकृतिक दृश्यों की आकर्षक सज्जा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं का संदेश भी लोगों को आकर्षित करेंगे।

दुर्ग। ऐतिहासिक एवं गौरवशाली गणेशोत्सव परम्परा का अंग बनते हुए शहर के आकर्षक पंडालों में गणपति के विराजमान होने की तैयारी इन दिनों जोरों पर है। ऐसी ही एक गणेश प्रतिमा जेल रोड दुर्ग स्थित एलआईसी ऑफिस के पास स्थापित होने जा रही है। प्रतिमा की ऊंचाई करीब 6 फीट है। भगवान सादगी भरे रूप में दर्शन देंगे। गणेश पंडाल के आसपास आकर्षक लाइटिंग की जा रही है। लाइटिंग की तैयारी अंतिम रूप में है। आयोजकों में संरक्षक शैलेंद्र चौबे, अध्यक्ष सौरभ चंद्राकर, महासचिव सतीश समर्थ ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी गणेश पंडाल के आसपास सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारी की गई है। प्रशासन से विधिवत अनुमति भी ली गई है। हर दिन सुबह और शाम के समय विधि-विधान के साथ भगवान की आरती होगी। प्रसाद का वितरण किया जाएगा। शहर में इस बार एक से बढ़कर एक मनोहारी गणेश प्रतिमाएं व स्थल सजावट झांकियों में भगवान विघ्नहर्ता दर्शन देने जा रहे हैं। भगवान गणेश की पूजा-अर्चना में शामिल होकर ऋद्धि-सिद्धि प्रदाता भगवान गणेश से शहरवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना के लिए शहर तैयार है।

21 जिलों के 142 खिलाड़ी दिखाएंगे शतरंज की बिसात पर हुनर

भिलाई। सेक्टर-6 स्थित अग्रसेन भवन में गुरुवार से छत्तीसगढ़ स्टेट सीनियर फ्रीडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप शुरू हुई। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा अग्रसेन जन कल्याण एवं अग्रसेन महिला कल्याण समिति के सहयोग से आयोजित यह प्रतियोगिता 10 से 13 सितंबर तक चलेगी। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला शतरंज संघ दुर्ग के संरक्षक एवं समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा ने शतरंज की चाल चलकर किया। मुख्य अतिथि कैलाश जैन बरमेचा ने कहा कि शतरंज मानसिक क्षमता के साथ व्यक्तित्व विकास बढ़ाने का भी सशक्त माध्यम है। सोशल मीडिया के दौर में भी लोगों का इस दिमागी कौशल वाले खेल के प्रति आकर्षण बना हुआ है, यह सराहीन्य है। जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत और सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 21 जिलों से 142 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें सीनियर वर्ग के 117, महिला वर्ग की 25 और 72 रेटेड खिलाड़ी शामिल हैं। विजेताओं को ट्रॉफी, स्मृति चिह्न, पदक के साथ कुल 1 लाख 5 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए वयन : प्रतियोगिता के आधार पर पुरुष वर्ग के शीर्ष चार और महिला वर्ग की शीर्ष चार खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी उत्तर प्रदेश में होने वाली राष्ट्रीय सीनियर शतरंज चैंपियनशिप और तेलंगाना में आयोजित राष्ट्रीय महिला शतरंज चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार मिश्रगड़े ने की। विशिष्ट अतिथि इंटरनेशनल आर्बिटर रंजी देवानंन, दीपांकर सेन गुप्ता एवं अनिल शर्मा उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत ईश्वर सिंह राजपूत, तुलसी सोनी, धीरज चावरे, विक्रम सिंह राजपूत एवं सद्दाम हुसैन ने किया। संचालन तुलसी सोनी ने तथा आभार ईश्वर सिंह राजपूत ने व्यक्त किया।



सटीक रेडियोथेरेपी पर भी शोध

कार्यशाला में रेडियोरेजिस्टेंस यानी कैंसर कोशिकाओं का रेडिएशन के प्रति कम संवेदनशील हो जाना भी समझाया गया। बताया गया कि कुछ कैंसर कोशिकाएं रेडिएशन से हुए नुकसान की मरम्मत करने में सक्षम होती हैं। ऐसे में यह पता लगाना जरूरी हो जाता है कि किस मरीज में कैंसर की कोशिकाएं रेडिएशन के प्रति ज्यादा संवेदनशील हैं और किसमें कम। इसी दिशा में सटीक रेडियोथेरेपी पर भी शोध हो रहा है। इसमें मरीज और कैंसर की जैविक विशेषताओं को समझकर उपचार तय करने की कोशिश की जाती है, ताकि कैंसर कोशिकाओं पर ज्यादा असर हो और शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को कम नुकसान पहुंचे। रेडिएशन के प्रति कोशिकाओं की संवेदनशीलता, डीएनए की मरम्मत करने वाली प्रक्रिया और बायोमार्कर का अध्ययन इसमें मददगार हो सकता है।

विकिरण के असर को समझने की कोशिश

रेडिएशन से होने वाले दुष्प्रभाव और स्वस्थ ऊतकों की सुरक्षा पर भी चर्चा हुई। रेडिएशन बायोलॉजी के साथ आणविक जीव विज्ञान, जीनोमिक्स, साइटोजेनेटिक्स और जैविक डोसिमेट्री जैसी तकनीकों के जरिए विकिरण के असर को समझने की कोशिश की जा रही है। कार्यशाला में रेडिएशन को लेकर आम लोगों में मौजूद डर और भ्रांतियों पर भी वैज्ञानिक तरीके से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को कैंसर बायोलॉजी, आणविक रेडिएशन बायोलॉजी और सटीक चिकित्सा जैसे नए शोध क्षेत्रों की संभावनाओं से परिचित कराया गया। इससे उन्हें कैंसर अनुसंधान और आधुनिक उपचार के क्षेत्र में हो रहे नए काम को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम स्कूल ऑफ लाइफ साइंस की डायरेक्टर डॉ निमा एस बालन और डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ विजय लक्ष्मी घोष के मार्गदर्शन में हुआ।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

40 साल पुराने हॉरर नॉवेल पर बनी सीरीज के दूसरे सीजन का ऐलान

40 साल पहले एक हॉरर नॉवेल छपा था। इस नॉवेल पर कई फिल्ममें बर्नी और इस पर कई सीरीज भी आई। जियोहॉटस्टार पर एचबीओ मैक्स की इस हॉरर सीरीज ने जमकर गदर काटा था। अब इसका नया सीजन फिर से धूम मचाने आ रहा है। स्टीफन किंग की बेस्टसेलर हॉरर नॉवेल 'आईटी' पर आधारित सुपरहिट सीरीज 'आईटी: वेलकम टू डेरी' के फैस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। एचबीओ ने आधिकारिक रूप से सीरीज के दूसरे सीजन को हरी झंडी दे दी है। वार्नर ब्रदर्स के आधिकारिक अकाउंट ने सोशल मीडिया पर एक टीजर वीडियो के साथ यह ऐलान किया, जिसमें डेरी शहर का सीन 1962 से पीछे जाते हुए 1935 तक पहुंचता है। पोस्ट में सिर्फ इतना लिखा गया, '1935 आईटी वेलकम टू डेरी का दूसरा सीजन लोटेगा।' आईटी वेलकम टू डेरी सीरीज का पहला सीजन अक्टूबर 2025 में प्रीमियर हुआ था और एचबीओ मैक्स पर यह प्लेटफॉर्म के इतिहास में सबसे सफल प्रीमियरों में शामिल रहा। सीजन-1 मुख्य रूप से 1962 में सेट था, जहां डेरी शहर के निवासी पेनवाइज नामक भयानक क्लोन के आतंक का सामना करते हैं। अब सीजन 2 मध्यम में 27 साल पीछे जाकर 1935 में सेट होगा, जो अमेरिका के ग्रेट डिप्रेशन का दौर है। बताया जा रहा है कि सीजन 2 ब्रेडली गैंग के खूनी नरसंहार पर केंद्रित होगा।

टॉलीवुड

नानी की अगली फिल्म को लेकर चर्चा पर विराम लगाया मेकर्स ने

साउथ के म श हू र अभिनेता नानी की अगली फिल्म ‘द पैराडाइज’ का फैस को बेसव्री से इंतजार है। बीते कुछ वक्त से चर्चा थी कि इस फिल्म कर रिलीज टलने वाली है। हालांकि, फिल्म के मेकर्स ने इसके पोस्टर जारी कर इन अफवाहों को विराम दिया। साथ ही मेकर्स ने फिल्म के दमदार पोस्टर रिलीज करते हुए इसकी फाइनल रिलीज डेट का भी एलान किया। फिल्म ‘द पैराडाइज’ के जारी किए गए नए पोस्टर में नानी को जदल के अवतार में दिखाया गया है। इस पोस्टर में नानी के कंधों पर राइफल टिकी हुई है। इस नए अवतार में एक्टर काफी आक्रामक नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरे पोस्टर में नानी बीच में बैठे हुए हैं और उनके आस-पास बच्चे बैठे नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में वह बस्ती नजर आ रही हैं जहां वो रहते हैं। फिल्म ‘द पैराडाइज’ साउथ सिनेमा की बहुप्रतिक्षित फिल्म है। फिल्म में नानी का किरदार काफी दमदार दिखाया गया है। इसमें एक्शन, ड्रामा और थ्रिल सबकुछ दिखाई दे रहा है। हाल ही में फिल्म का गाना ‘येशा नागुला’ भी मेकर्स ने रिलीज किया था। इस गाने में कीर्ती सुरेश और नानी डांस साथ थिरकते नजर आ रहे थे।‘द पैराडाइज’ श्रीकांत ओडेला की एक और महत्वाकांक्षी फिल्म है। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बनी ‘द पैराडाइज’ 24 सितंबर को बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, इंग्लिश, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम कुल आठ भाषाओं में आएगी। फिल्म की कास्ट में कई दिग्गज अभिनेता नजर आएंगे।

भोजपुरी

‘सॉरी-सॉरी’पर उठा कॉपीराइट विवाद, वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स ने भेजा नोटिस

भोजपुरी गाने ‘सॉरी-सॉरी’ को लेकर एक कॉपीराइट विवाद सामने आया है। इस गाने में पवन सिंह हैं और मामला रियलिटी शो ‘राइज एंड फॉल’ के पहले सीजन से जुड़ा हुआ है। कंपनी का आरोप है कि जिन भोजपुरी गानों के म्यूजिक राइट्स उसके पास हैं। भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़ा एक नया कॉपीराइट विवाद सामने आया है, जिसमें म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स ने मीडिया और एंटरटेनमेंट कंपनी बनिजे एशिया के खिलाफ भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह के चर्चित गाने ‘सॉरी-सॉरी’ के कथित तौर पर बिना अनुमति इस्तेमाल किए जाने को लेकर कानूनी नोटिस भेजा है। मामला रियलिटी शो ‘राइज एंड फॉल’ के पहले सीजन से जुड़ा है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिस के अनुसार, ‘सॉरी-सॉरी’ गाने का इस्तेमाल शो के पहले सीजन के 16वें एपिसोड में किया गया था। कंपनी का आरोप है कि जिन भोजपुरी गानों के म्यूजिक राइट्स उसके पास हैं, उनका इस्तेमाल बिना जरूरी अनुमति या लाइसेंस के किया गया। कंपनी ने यह नोटिस जाने-माने लॉ फर्म आनंद एंड आनंद के जरिए भेजा है। नोटिस में वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स ने कथित रूप से बिना अनुमति इस्तेमाल किए गए कंटेंट की स्ट्रीमिंग और प्रसारण रोकने तथा उसे हटाने की मांग की है। इसके साथ ही शो में उस कंटेंट के इस्तेमाल से हुई कमाई का पूरा विवरण देने को भी कहा गया है। कंपनी ने मामले को बातचीत के जरिए सुलझाने का रास्ता भी खुला रखा है। कानूनी नोटिस में बनिजे एशिया को सात कामकाजी दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया है। जवाब नहीं मिलने की स्थिति में कंपनी ने रोक लगाने, मुआवजे और हर्जाने समेत अन्य कानूनी उपाय अपनाने की बात कही है।

हस्न का जाल



सालों से, डच जीनियस और मशहूर हस्तियों की पसंदीदा आइरिस वैन हर्पेन फ़ैशन की दुनिया में सबसे आगे रही हैं। उन्होंने कैले के पत्तों, कोको बीन्स और 3डी-प्रिंटेड पॉलिमर से नए तरह के डिजाइन बनाए हैं और कॉउचर (हाई-एंड फ़ैशन) की दुनिया में कुछ चुनिंदा स्वतंत्र डिजाइनरों में से एक बनकर उभरी हैं। बायोलॉजी, आर्ट और डिजाइन के बीच के फ़र्क को मिटाते हुए वैन हर्पेन ने पेरिस पर राज करने वाले बड़े लक्जरी ग्रुप्स से अलग अपनी एक खास पहचान बनाई है।



लाइफ़ स्टाइल

वैक्सिंग की जलन से राहत के करें कुछ घरेलू उपाय

शरीर की बाहरी त्वचा को और ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए वैक्सिंग एक आसान और सरल उपाय है। इसके इस्तेमाल से शरीर के अनचाहे बाल हट जाते हैं और त्वचा काफी साफ और सुंदर दिखने लगती है लेकिन कई बार ये देखा जाता है कि वैक्सिंग की वजह से लोगों के शरीर पर कई तरह की परेशानियां सामने आने लगती हैं। नारियल के तेल में फेनोलिक एसिड और पॉलीफेनॉल जैसे एंटीबैक्टीरियल तत्व पाए जाते हैं। ऐसे में आप इसका इस्तेमाल करके त्वचा पर हो रही खुजली और दानों से राहत पा सकते हैं। त्वचा को ठंडक पहुंचाने का काम एलोवेरा काफी अच्छे से करता है। ऐसे में अगर वैक्सिंग के बाद आपको त्वचा पर किसी तरह की जलन हो रही है तो आप एलोवेरा का इस्तेमाल स्किन पर कर सकते हैं। वैक्सिंग के बाद जब स्किन पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं तो ऑलिव ऑयल इस परेशानी से राहत दिलाता है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस एक चम्मच ऑलिव ऑयल में 2-3 बूंदें टी ट्री ऑयल मिलाकर अपनी त्वचा पर लगाना है। कच्चा दूध शरीर पर होने वाली जलन से काफी राहत पहुंचाता है। अगर वैक्सिंग के बाद त्वचा पर जलन हो रही है तो आप प्रभावित जगहों पर कच्चा दूध लगा सकते हैं। त्वचा पर होने वाली खुजली और रैशेज से राहत पाने के लिए आप बर्फ का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे किसी सूती कपड़े में लपेट कर ही इस्तेमाल करें, वरना त्वचा पर परेशानी ज्यादा बढ़ सकती है। इन उपायों में प्रभावित जगह को कम से कम 20 मिनट तक ठंडे पानी से धोएं या ठंडी सिकाई करें। अगर सीधे ठंडा पानी नहीं लगा सकते तो ठंडे पानी में भिगोया हुआ मुलायम कपड़ा भी इस्तेमाल कर सकते हैं।



एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक देता है और जलन कम करता है, इसलिए इसे लगाएं। अगर जलन ज्यादा है तो कॉर्टिसोन क्रीम भी मदद कर सकती है। तंग कपड़े पहनने से बचें ताकि त्वचा को हवा मिल सके और जलन कम हो। प्रभावित जगह को हल्के साबुन और पानी से धीरे-धीरे धोएं और थपथपाकर सुखाएं। डॉक्टर की सलाह पर एंटीसेप्टिक क्रीम लगा सकते हैं। अच्छी क्वालिटी का, सुगंध रहित मॉइस्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा को नमी मिले। अगर जले हुए हिस्से से पस निकल रहा हो या घाव 1 हफ्ते बाद भी ठीक न हो रहा हो. अगर जलन बहुत ज्यादा हो रही हो और राहत न मिल रही हो तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

त्यौहारी सीजन में अपनाएं खास श्रृंगार

त्यौहारी सीजन की शुरुआत हो चुकी है। छत्तीसगढ़ में तीज की धूम के बाद गणेशोत्सव आया और फिर पितृपक्ष खत्म होते ही नवरात्र शुरू हो जाएंगी। हर साल की तरह इस बार भी त्यौहारों के लिए महिलाओं ने खास तैयारियां कर ली हैं। पर्व के इस मौसम में बाजारों में भी काफी रौनक देखने को मिल रही है। ऐसे खास मौकों पर खूबसूरत और आकर्षक दिखने के लिए महिलाएँ नए परिधानों से लेकर आभूषणों तक की जमकर खरीदारी कर रही हैं। यदि आप भी इस फेस्टिव सीजन में अपने एथनिक लुक को बेहद खास बनाना चाहती हैं, तो इन पारंपरिक चीजों को अपने श्रृंगार में जरूर शामिल करें: **लाल या हरी साड़ी:** अपने लुक में चार चांद लगाने के लिए आप लाल या हरे रंग की साड़ी चुन सकती हैं। पूजा-पाठ और मांगलिक अवसरों के लिए ये रंग सबसे शुभ और खास माने जाते हैं। इन्हें पहनकर आपका रूप और भी ज्यादा निखर उठता है।



मंगलसूत्र: अपने त्यौहार के एथनिक लुक को पूरा करने के लिए मंगलसूत्र पहनना न भूलें। यह हर विवाहित महिला के सौंदर्य और श्रृंगार का सबसे अहम हिस्सा होता है। **चूड़ा:** अगर आपके पास आपकी शादी का चूड़ा रखा है, तो इस त्यौहारी सीजन में इसे जरूर

कार्नर न्यूज

चांदी को पवित्र धातु माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि चांदी की ज्वेलरी पहनने से मानसिक शांति मिलती है और शरीर हेल्दी रहता है। ये भावनाओं को कंट्रोल करने के साथ धैर्य लाने में भी मदद करती हैं। इतना ही नहीं, इससे इम्यून सिस्टम सर्टिफाइड योग इंस्ट्रक्टर ग्रीशा ने शेयर की है। एक्सपर्ट का कहना है, "कई लोगों के मन में यह सवाल होता है कि चांदी के ज्वेलरी क्यों पहननी चाहिए। तो मैं आपको बता दूँ कि चांदी का चंद्र ऊर्जा से जुड़ाव होता है, जो फेमिनिन एनर्जी से भी जुड़ा है। यह शरीर की 'चंद्र' नाड़ी को एक्टिव करता है।"

त्वचा होती है सुंदर

चांदी में एंटी-एजिंग गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार करते हैं और फाइन लाइन्स और झुर्रियों को कम करते हैं। साथ ही, चांदी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं, जो त्वचा की सतह पर हानिकारक बैक्टीरिया की



ग्रोथ को रोकने में मदद करते हैं।

कोल्ड और फ्लू से बचाव

चांदी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया और वायरस से छुटकारा दिलाते हैं। इसलिए महिलाएँ खुद को कोल्ड, फ्लू या हानिकारक वायरस और बैक्टीरिया जैसे इंफेक्शंस से बचाने के लिए इसे पहन सकती हैं।

हीलिंग को देती है बढ़ावा

सदियों से चांदी का इस्तेमाल घावों को भरने के लिएनेचुरल ट्रीटमेंट के रूप में किया जा रहा है। चांदी की ज्वेलरी पहनने से घाव तेजी भरते हैं और दाग-धब्बे कम होते हैं।

दर्द से राहत

दर्द से राहत पाने के लिए चांदी का

दुल्हन की मेकअप किट में होने चाहिए ये ब्यूटी प्रोडक्ट



हर लड़की के लिए उनकी शादी का दिन काफी अहम होता है। शादी की तारीख पक्की होने के बाद से ही तैयारियां शुरू हो जाती हैं। नए घर में जाने से पहले हर लड़की अपने बैग्स तैयार करती है। इसमें उनके कपड़ों से लेकर मेकअप प्रोडक्ट्स तक शामिल होते हैं। हिंदूओं में जहां नवरात्रि के बाद शुभ विवाह के मुहूर्त आने वाले हैं, वहीं दूसरे समुदायों में शादियों का दौर चल रहा है। ऐसे आपको कुछ ऐसे मेकअप प्रोडक्ट्स के बारे में जानना चाहिए, जो हर किसी होने वाली दुल्हन के बैग में होना बेहद जरूरी है। दरअसल, हर लड़की के लिए उसका मेकअप काफी जरूरी होता है। खासकर जब किसी लड़की की शादी होती है तो उसकी जिंदगी में काफी बदलाव होते हैं और मेकअप करने से लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ जाता है। चाहे बात हो लिपस्टिक की या फिर फाउंडेशन की, हर होने वाली दुल्हन को अपनी शादी से पहले इस तरह के प्रोडक्ट को खरीद कर अपने पास रख लेना चाहिए। अगर आपकी भी जल्द ही शादी होने वाली है तो अपनी मेकअप किट में इन प्रोडक्ट्स को जरूर शामिल करें। **प्राइमर:** हर होने वाली दुल्हन को अपने मेकअप किट में प्राइमर शामिल कर लेना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि शादी के वक्त कई बार मेकअप होता है। ऐसे में प्राइमर आपकी त्वचा को सुरक्षित रखता है।



लंबे समय तक चलने वाला फाउंडेशन: अपनी स्किन के हिसाब से फाउंडेशन खरीद लें। फाउंडेशन खरीदते वक्त ये ध्यान रखें कि ये अच्छे क्वालिटी का हो। अगर इसकी क्वालिटी खराब होगी तो इसका असर आपके चेहरे पर दिखाई दे सकता है। **कंसीलर:** शादी की भागदौड़ में चेहरे पर परेशानियां सामने आने लगती हैं। इन परेशानियों को कंसीलर इस्तेमाल करके छिपाया जा सकता है। ऐसे में अपने बैग में कंसीलर जरूर शामिल करें। **ब्लश:** हर दुल्हन शादी की भागदौड़ में काफी थक जाती है। इसी के चलते अपने चेहरे की लालिमा बरकरार रखने के लिए ब्लश जरूर शामिल करें। **हाइलाइटर:** चेहरे की चमक बरकरार रखने में हाइलाइटर काफी मदद करता है। इससे लुक में चार चांद लग जाते हैं। काजल और मस्कारा कई लड़कियों की आंखों में थकान दिखने लगती है। ऐसे में काजल और मस्कारा इस्तेमाल करके आप अपनी आंखें खूबसूरत बना सकती हैं।

सफेद बालों को छुपाने के लिए घर पर ही करें उपाय, चंद दिनों में दिखेगा असर

असमय बालों को सफेद होने से बचाने के लिए और सफेद बालों को छुपाने के लिए कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है। बालों की देखभाल करने के लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च करने की कोई आवश्यकता नहीं है। बालों का सफेद होना अब आम बात हो गई है, यही वजह है कि हम अपने बालों पर कई तरह के एक्सपेरिमेंट करते हैं। कुछ एक्सपेरिमेंट्स हमने अपनी नानी और दादी से सुने होते हैं, जिनका इस्तेमाल सदियों से किया जा रहा है। जब हमें शुरूआत में ही कुछ बाल सफेद नजर आना शुरू हो जाते हैं, तो उनकी एक्सट्रा केयर करना जरूरी हो जाता है। बाजार में बालों को रंगने के लिए कलर्स में ढेरों विकल्प मौजूद हैं, लेकिन हेयर कलर्स से आपको इंस्टेंट सफेद बालों से छुटकारा मिल जाता है। मगर इसमें मौजूद केमिकल की वजह से बालों पर बुरा असर भी पड़ता है। ऐसे में जरूरी है नेचुरल चीजों का इस्तेमाल किया जाए। इसका उपयोग सदियों से किया जा रहा है। बालों को छुपाने के लिए पहले टैपेरी मास्क बनाते हैं। यह मास्क आपके पूरे बालों को तो नहीं छुपाएगा, मगर काफी फर्क पड़ेगा।

सबसे पहले एक बाउल में सभी सामग्रियों को इकट्ठा कर लें और फिर हिना पाउडर, दही, पानी और कॉफी को डालकर अच्छी तरह से मिला लें। 5 मिनट बाद यह मास्क बालों पर लगाने के लिए



तैयार है। इसे लगाने के लिए बालों को गिला करने की कोई जरूरत नहीं है। सीधा रूखे बालों पर लगाएं और 2 घंटे के लिए छोड़ दें। फिर नॉर्मल पानी से बालों को धो लें।

कई रोगों और मानसिक तनाव से बचाने में भी मिलती है मदद

रूप ही नहीं सेहत को भी निखारते हैं चांदी के जेवर, दोहरे लाभ के लिए तेजी से बढ़ रहा इसे अपनाने का चलन



उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। इस धातु में शक्तिशाली एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं। चांदी की ज्वेलरी पहनने से जोड़ों में दर्द और अकड़न कम होती है।

शरीर का टेम्पेचर रहता है कंट्रोल

चांदी हीट और इलेक्ट्रिसिटी का कंडक्टर होती है। इसलिए चांदी की ज्वेलरी पहनने से शरीर का टेम्पेचर कंट्रोल में रहता है। साथ ही, यह अपने कूलिंग गुणों के कारण आपको गर्म मौसम में ठंडा महसूस कराती है।

आती है अच्छी नींद

चांदी के ज्वेलरी पहनने से मन शांत रहता है और तनाव, चिंता और क्रोध आपसे दूर रहते हैं। इसके अलावा, इससे एनर्जी का लेवल भी बढ़ता है और नींद से संबंधित समस्याओं का खतरा कम होता है।

ज्योतिष टिप्स

हथेली में मौजूद तिल से जानें कैसा रहेगा आपका भविष्य



हथेली में रेखाओं और पर्वतों के अतिरिक्त तिल भी मनुष्य के भाग्य, स्वास्थ्य, धन, विवाह तथा जीवन के विभिन्न आयामों का संकेत देते हैं। हथेली के अलग-अलग स्थानों पर तिल का होना शुभ अथवा अशुभ दोनों प्रकार के फल प्रदान करता है। आइए विस्तार से समझें कि आपकी हथेली का कौन-सा तिल आपके भविष्य के बारे में क्या कहता है। हथेली के मुख्य पर्वतों पर स्थित तिल का प्रभाव जानिए।

सूर्य पर्वत (अनामिका उंगली के नीचे)

अनामिका यानी तीसरी उंगली के निचले हिस्से को सूर्य पर्वत कहा जाता है। सूर्य मान-सम्मान, प्रतिष्ठा, शासकीय सेवा और सामाजिक प्रभाव का कारक ग्रह माना जाता है। यदि सूर्य पर्वत पर तिल मौजूद हो, तो व्यक्ति को अपने जीवन में सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहना चाहिए। ऐसा तिल कभी-कभी अकारण अपयश या कार्यस्थल पर बाधा का संकेत देता है। हालांकि, यदि व्यक्ति निरंतर परिश्रम और निष्ठा से कार्य करे, तो वह इन बाधाओं को पार कर उच्च पद प्राप्त कर सकता है।

गुरु पर्वत (तर्जनी उंगली के नीचे)



तर्जनी यानी अंगूठे के बगल वाली उंगली के नीचे स्थित क्षेत्र को बृहस्पति या गुरु पर्वत कहा जाता है। यह पर्वत ज्ञान, धर्म, उच्च शिक्षा, नेतृत्व क्षमता और वैवाहिक सुख का प्रतीक है। गुरु पर्वत पर स्पष्ट और साफ़ तिल का होना अत्यंत शुभ माना जाता है। ऐसे व्यक्ति को विद्या, ज्ञान और मार्गदर्शन देने के क्षेत्र में भारी सफलता मिलती है। इन्हें जीवन में धन-धान्य और प्रतिष्ठा की कभी कमी नहीं होती, हालांकि विवाह में थोड़ा विलंब संभव है।

शनि पर्वत (मध्यमा उंगली के नीचे)

मध्यमा यानी हाथ की सबसे बड़ी उंगली के निचले भाग को शनि पर्वत कहते हैं। शनि कर्म, न्याय और संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है। शनि पर्वत पर तिल होना मिला-जुला परिणाम देता है। ऐसा व्यक्ति अत्यंत कर्मठ और न्यायप्रिय होता है। शुरुआती जीवन में थोड़ा संघर्ष और रुकावटें आ सकती हैं, परंतु निरंतर मेहनत के बाद इन्हें स्थायी धन-संपत्ति और सफलता प्राप्त होती है।

बुध पर्वत (कनिष्ठा उंगली के नीचे)

कनिष्ठा यानी सबसे छोटी उंगली के नीचे का भाग बुध पर्वत कहलाता है। बुध व्यापार, बुद्धि, तर्कशास्त्र और संवाद शैली का स्वामी है। बुध पर्वत पर तिल होने से व्यक्ति व्यापारिक दृष्टिकोण में बहुत चतुर होता है। किंतु कभी-कभी वित्तीय लेन-देन या व्यापारिक निर्णयों में सावधानी बरतनी आवश्यक होती है, अन्यथा अचानक आर्थिक हानि की संभावना बनी रहती है।

शुक्र पर्वत (अंगूठे का निचला भाग)



अंगूठे के निचले उभरे हुए भाग को शुक्र पर्वत कहा जाता है, जो आकर्षण, सौंदर्य, भौतिक सुख-सुविधाओं और वैवाहिक जीवन का कारक है। शुक्र पर्वत पर तिल का होना व्यक्ति के जीवन में अपार भौतिक सुख-सुविधाओं और धन-संपत्ति का योग बनाता है। ऐसे व्यक्ति कला, संगीत और रचनात्मक क्षेत्रों में विशेष रुचि रखते हैं।

चंद्र पर्वत (हथेली का बाहरी निचला भाग)

चंद्र पर्वत मन, भावनाओं, यात्राओं और कल्पनाशक्ति का प्रतीक है। इस स्थान पर तिल होना व्यक्ति को संवेदनशील और अत्यधिक विचारशील बनाता है। ऐसे जातकों को विदेश यात्रा या सुदूर स्थानों की यात्रा से लाभ मिलता है, किंतु इन्हें मानसिक तनाव और जल से जुड़े स्थानों पर सतर्क रहने की आवश्यकता होती है।

हथेली की प्रमुख रेखाओं पर तिल का अर्थ

केवल पर्वतों पर ही नहीं, बल्कि हथेली की प्रमुख रेखाओं पर तिल का होना भी विशेष संकेत देता है: जीवन रेखा पर तिल: यदि जीवन रेखा पर तिल हो, तो व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। यह जीवन के किसी पड़ाव पर शारीरिक थकावट या अस्वस्थता की ओर इशारा करता है। मस्तिष्क रेखा पर तिल: मस्तिष्क रेखा पर तिल का होना मानसिक तनाव, अत्यधिक चिंता या निर्णय लेने में अंगिणय की स्थिति पैदा कर सकता है। ऐसे जातकों को योगाभ्यास और ध्यान करना चाहिए।

नृत्य और संगीत को बनाएं अपनी दिनचर्या का हिस्सा, रहेंगे सेहतमंद

योग हो या नृत्य, ये आपके शरीर को लचीला बनाते हैं, जिससे मोटापा घटता है और स्टैमिना बढ़ता है। योग और संगीत आपके फेफड़ों तथा हृदय की सेहत में सुधार करते हैं एवं शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। योग में शास्त्रीय नृत्य की भी बहुत-सी मुद्राएं हैं और भारतीय नृत्य की हर शैली में योग की क्रियाएं। इसीलिए डॉस एक्सरसाइज का काम भी करता है और योग आपके मन को सुकून पहुंचाता है। स्वस्थ जीवनशैली के लिए हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि योग और संगीत को हम अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाएं।

मशहूर शास्त्रीय नृत्यांगना मोलिना सिंह को बचपन से योग के आसन, क्रियाएं और मुद्राएं बहुत पसंद थीं। उन्होंने जब दिल्ली के कथक केंद्र में दाखिला लिया तो वहां पहले उन्हें 'निर्भय भाव' में बैठने को कहा गया। इसमें पैरों को फैलाकर, दीवार का सहारा लेकर, हाथों को जांघों पर रखकर निर्भक्य रूप से किसी ध्वनि को सुनते हुए बैठना था। इस अवस्था से जब वह बाहर आई तो पूरी तरह तरोताजा और नृत्य के लिए तैयार थीं।

प्रसिद्ध योग चिकित्सक और नृत्यांगना गीति शिराजी महानन ने 15 साल तक भरतनाट्यम सीखने के बाद जब पहली बार अमेरिका में हट योग की कक्षा में प्रवेश लिया तो उन्हें ऐसा लगा, मानो योग आसनों को तो वह हमेशा से करती रही हैं। वास्तव में, यह भरतनाट्यम की मुद्राओं की वजह से था। तब उनके मन में योग के बारे में अधिक जानने की जिज्ञासा पैदा हुई, जिसने उन्हें योग चिकित्सक बनने के लिए प्रेरित किया।



अष्टांग योग और 108 नृत्य क्रियाएं

पतंजलि के योग में आठ अंग या चरण हैं, जिन्हें अष्टांग योग कहा गया है। भारतीय संगीत की नींव में नियमित अभ्यास या रियाज महत्वपूर्ण है और यह तभी संभव है, जब आप स्वयं क्रियाओं का स्वस्ती से पालन करें, जैसे कि येहत और हाइजिना। इसके बाद दूसरों के प्रति आपका व्यवहार, रवैया और फिर स्थान का सम्मान तथा समय का महत्व समझना। अष्टांग योग के पहले दो चरण भी नैतिक मूल्य और क्रियम पालन पर जोर देते हैं। भरत मुनि के 'नाट्यशास्त्र' में नृत्य की 108 करण या क्रियाओं का उल्लेख है। नृत्य की क्रियाओं को मुद्राओं, हस्तक यानी हाथों की स्थिति और पाद भेद यानी पैरों की चाल के आधार पर परिभाषित किया गया है। यह क्रियास योग के समान है, जिसमें सांस की गति के साथ आसन लगाए जाते हैं। यह अष्टांग योग का तीसरा चरण है।



छत्तीसगढ़ ने झारखंड को 7 विकेट से हराया, लगातार चौथी जीत दर्ज



रायपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित एमपीएमएससी सीनियर वूमेंस आमंत्रण टी-20 ट्रॉफी 2026 में छत्तीसगढ़ की महिला क्रिकेट टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को उदखपुर के मिराज क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए टूर्नामेंट के अपने चौथे मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने झारखंड को 7 विकेट से करारी शिकस्त देकर लगातार चौथी जीत हासिल की। झारखंड की खराब शुरुआत, 104 रनों पर सिमटी पूरी टीममैच में झारखंड की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन छत्तीसगढ़ की धारदार गेंदबाजी के आगे उनका यह निर्णय गलत साबित हुआ। झारखंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उनके दोनों सलामी बल्लेबाज बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। झारखंड की ओर से केवल वृष्टि कुमारी (22 रन) और शिखा (15 रन) ही कुछ संघर्ष दिखा सकीं। छत्तीसगढ़ की सटीक और अनुशासित गेंदबाजी के सामने पूरी झारखंड टीम निर्धारित 20 ओवरों में 104 रनों के मामूली स्कोर पर ढेर हो गई।

प्रीति ने चटकाए 4 विकेट, प्रत्युषा प्लेयर ऑफ द मैच

छत्तीसगढ़ की जीत में गेंदबाजों की मुख्य भूमिका रही। स्पिन और तेज गेंदबाजी के मिलाजुला आक्रमण के आगे झारखंड के बल्लेबाज असहाय नजर आए। छत्तीसगढ़ की ओर से प्रीति यादव ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके। श्रद्धा वैष्णव ने 3 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। संजीता पटेल ने 2 सफलताएं हासिल कीं। के. प्रत्युषा का नाबाद अर्धशतक रहा। आसान जीत 105 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने आक्रामक शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज के. प्रत्युषा ने टूर्नामेंट में अपनी बेहतरीन फॉर्म को जारी रखते हुए शानदार नाबाद 58 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। दूसरे छोर से सृष्टि शर्मा ने 35 रनों का बहुमूल्य योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की टीम ने महज 14.4 ओवरों में 3 विकेट खोकर 106 रन बनाकर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। झारखंड की तरफ से वृष्टि, देव्यानी और आरती ने 1-1 विकेट हासिल किया। मैच में अपनी शानदार मैच जिताऊ अर्धशतकीय पारी के लिए के. प्रत्युषा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। छत्तीसगढ़ स्टेड क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने टीम की लगातार चौथी जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी

प्रदेश यूथ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए रायपुर जिला टीम घोषित



रायपुर। कांकर में 11 और 12 सितंबर को आयोजित 24वीं छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तरीय यूथ बालक/बालिका वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप एवं अस्मिता खेलो इंडिया वुमॅंस लीग चयन प्रतियोगिता के लिए रायपुर जिला टीम का चयन कर लिया गया है। 30 अगस्त को जय सतनाम व्यायामशाला में आयोजित कड़े चयन स्पर्धा के बाद रायपुर जिला भारोत्तोलन संघ ने मजबूत टीम का ऐलान किया। घोषित टीम के बालक वर्ग में योगेन्द्र साहू, अंकित भारती, लोकित कुमार तारक, किशन धीवर, कबीर परिहार, दीपक गेन्द्रे, सिद्धार्थ चेलक और दीपांशु लहरे को शामिल किया गया है। वहीं बालिका वर्ग में शगुन साहू, गीतांजलि जांगड़े, बबली बिस्वास, गीतिका टंडन, देविका साहू, सुमन निषाद, पायल डहरिया और राधिका साहू रायपुर का प्रतिनिधित्व करेंगी। अस्मिता खेलो इंडिया वुमॅंस लीग के लिए प्रीतु साहू, लुकेश्वरी साहू, फाल्गुनी साहू, दिव्या सिन्हा और श्रेया साहू का चयन हुआ है। प्रतियोगिता के लिए रस्तम सारंग और लकी बाबू मार्केम को टीम कोच तथा दीपक धीवर को मैनेजर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चर्चर्चित खिलाड़ियों, कोच और मैनेजर को रायपुर जिला भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष राधेश्याम साहू, संरक्षक रजन श्रीवास्तव, राजेंद्र सिंह यादव, बुधराम सारंग, बरिष्ठ उपाध्यक्ष एवन कुमार जैन, संगरल गेडाम, उपाध्यक्ष संजय कोपुलवार, चैलराम अग्रवाल, डेविड राजू, रवींद्र नाथ मल्लिक, शशि साहू, हरिकिशन साहू, दीपक यादव एवं प्रचार सचिव सहित संघ के सभी पदाधिकारियों ने जीत के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

कार्नर न्यूज

हमारे लिए ज्यादा महत्व रखती है आंतरिक खुशी, इसमें दवाओं की कोई भूमिका नहीं

दवाएं हर समस्या का समाधान नहीं, मानसिक स्वास्थ्य के लिए खुशियों से ही मिलेगी राहत



कि आज कुछ लोग इसे अपने अंदर दूढ़ने की जगह बाहरी स्रोतों में तलाश रहे हैं, दवाओं पर निर्भर होते जा रहे हैं।

बीसवीं सदी के सुप्रसिद्ध लेखक एल्डस लियोनार्ड हक्सले तक इसी भ्रम में रहे कि “एलएसडी (लिसर्जिक एसिड डाइएथिलेमाइड) दवा द्वारा आप उस आध्यात्मिक अनुभूति को पा सकते हैं, जिसे गौतम बुद्ध, महात्मा कबीर और गुरु नानक देव ने प्राप्त किया था।”

उन्होंने अपनी पुस्तक ‘हेवन एंड हेल’ में यहां तक लिख दिया है कि “भविष्य में विज्ञान द्वारा कृत्रिम रूप से निर्मित दवाओं का असर बिल्कुल

वैसा ही होगा, जैसा कि वेदों में सोमरस का प्रभाव था। हममें से सभी सोमरस शब्द से परिचित हैं। हक्सले के अनुसार, प्राचीन काल में जिस तरह सोमरस द्वारा स्वस्थ, युवा शरीर और प्रसन्नता को पाया जाता था, उसी तरह भविष्य में एलएसडी दवाओं द्वारा प्रसन्नता को पाया जा सकेगा।”

अब यह केवल उनकी अतिशयोक्ति थी या भविष्यवाणी, यह तो अध्ययन और अनुभव की बात है, क्योंकि आज हजारों युवा नशीली दवाओं के सेवन के कारण जेल में बंद हैं। सच्ची खुशी, आंतरिक शांति और संतुष्टि, ये सब अद्भुत चीजें हैं, जिनको किसी भी तरह की कृत्रिमता से नहीं पाया जा सकता। आध्यात्मिक विचारक आचार्य रजनीश कहते हैं, “मैं इस बात को इस साधारण दुनिया से परे एक ऐसी खोज के तौर पर देखता हूं, जो कि गलत तरीके से की जा रही है, क्योंकि यह लोगों को वास्तविकता से दूर कर देती है।

दवा का असर खत्म होने पर

कुछ घंटों बाद जब दवाओं का असर खत्म



होने लगता है तो उन्हें पुनः उसे इंजेक्ट करने की आवश्यकता पड़ती है। इस तरह धीरे-धीरे लोग दवाओं यानी ड्रग्स के शिकंजे में आसानी से फंसते चले जाते हैं। साथ ही जितनी बार वे इसे इंजेक्ट



साथ-साथ चलते हैं योग और संगीत

योग और संगीत, दोनों में प्रतिबद्धता तथा समर्पण की जरूरत होती है और यही समर्पण आपकी शारीरिक एवं मानसिक सेहत को बनाए रखता है। गाना सिखाने के लिए गुरु सबसे पहले षड्ज गानो 'रा' स्वर को साधने का अभ्यास कराते हैं। योग में इसे श्वास क्रिया कहा गया है। गाते या कोई वाद्य यंत्र बजाते समय बैठने का एक खास तरीका होता है, जिसमें शारीरिक पुष्टता बहुत जरूरी है। योग में शरीर के अंगों को यह मजबूती आसनों से आती है। इसी तरह योग और नृत्य, दोनों को करते समय आप अपने स्मिर, गर्दन और रीढ़ को सीधा तथा संतुलित रखती हैं।

पोस्ट-मानसून में खानपान का रखें खास ख्याल

मानसून के लौटने और गुलाबी ठंड के बीच रखें सेहत का ध्यान

मानसून की विदाई हो रही है और हल्की-हल्की गुलाबी ठंड ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। मौसम का यह बदलाव (पोस्ट-मानसून) देखने और महसूस करने में जितना सुहावना लगता है, सेहत के लिहाज से उतना ही संवेदनशील होता है। बारिश के जाने और ठंड के आने के बीच का यह संक्रमण काल हमारी पाचन शक्ति और इम्युनिटी दोनों को प्रभावित करता है। हवा में नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण इस दौरान बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं, जिससे सर्दी-जुकाम, वायरल फीवर, डेंगू और पेट में इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में ठंड की शुरुआत से पहले अपने खानपान में कुछ जरूरी एहतियात बरतना बेहद जरूरी है।



पोस्ट-मानसून में क्यों बरतें खानपान में परहेज?

मौसम बदलने के साथ शरीर की जटराग्नि (पाचन अग्नि) धीमी पड़ जाती है। इस समय की गई खानपान की लापरवाही सीधे आपको बीमारी की ओर धकेल सकती है।

स्पाउट्स (अंकुरित अनाज) खाने में सावधानी: स्पाउट्स सेहतमंद होते हैं, लेकिन पोस्ट-मानसून के शुरुआती दिनों में हवा में नमी के कारण कच्चे स्पाउट्स में बैक्टीरिया आसानी से पनप जाते हैं। इस मौसम में कच्चे स्पाउट्स खाने से फूड पॉइजनिंग और पेट में ऐंठन हो सकती है। अगर स्पाउट्स खाने भी हों, तो उन्हें हल्का उबालकर या पकाकर ही खाएं।



डेयरी प्रोडक्ट्स की ताजगी का रखें ध्यान: दूध, पनीर और चीज जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स में नमी और बदलते तापमान के कारण फंगस या बैक्टीरिया जल्दी लगते हैं। बाजार से मिलने वाले पैकड या खुले डेयरी प्रोडक्ट्स अगर बासी हों, तो इंफेक्शन कर सकते हैं। इस मौसम में केवल ताजा दूध और ताजा बना पनीर ही इस्तेमाल करें।

नॉन-वेज और सी-फूड से दूरी भली: विदाई लेते मानसून के समय सी-फूड और नॉन-वेज के सेवन में बहुत सतर्कता बरतनी चाहिए। इस दौरान समुद्री जीवों में



इंफेक्शन की संभावना अधिक होती है। साथ ही, बासी या अधपका नॉन-वेज खाने से पेट में गंभीर संक्रमण हो सकता है। अगर खाएं भी, तो पूरी तरह से साफ करके और उच्च तापमान पर अच्छी तरह पकाकर ही खाएं।

पाइपलाइन में 5 साल पुराने लीकेज का मेंटेनेंस अब तक नहीं, इधर बदले जाएंगे पंप

हरिभूमि न्यूज़ ►►दुर्ग

धमधा नाका से आदित्य नगर पर शक्तिनगर मोड़ के पास पेयजल पाइपलाइन पर एक लीकेज लंबे समय से बना हुआ है।

जानकारी के मुताबिक यह लीकेज 5 साल से ज्यादा पुराना है। इस दौरान कई बार सड़क का मेंटेनेंस और डामरीकरण भी कराया जा चुका है। पेयजल पाइपलाइन का लीकेज भी सुधारा जा चुका है, लेकिन समस्या जस के तस बनी हुई है। स्थानीय अधिवक्ता अनिल जायसवाल निगम के आयुक्त से लेकर कलेक्टर तक कई

बार शिकायत की, लेकिन समस्या जस के तस बनी हुई है। पिछले कुछ दिनों से लीकेज से लगातार पानी भी बह रहा है। बावजूद अब तक निगम के जलकार्य विभाग ने इसे गंभीरता से नहीं लिया है। इस मार्ग पर कई जगहों पर लीकेज है, हर बार सड़क पर डामरीकरण इस लीकेज को कुछ समय के लिए रोक दिया जाता है, लेकिन बाद में पुनः लीकेज सामने आता है। लंबे समय से इसका मेंटेनेंस नहीं हो पा रहा है। गुरुवार को महापौर अल्का बाघमार ने फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने पुराने खराब हो रहे मोटर पंपों को बदलने के निर्देश दिए।

फिल्टर प्लांट में आई खराबी सप्लाई आंशिक रूप से प्रभावित

शहर के विभिन्न वार्डों में पेयजल आपूर्ति को लेकर लगातार प्राप्त हो रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महापौर अलका बाघमार ने आज 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन,रंजीता पाटिल, भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी, राजेन्द्र ढबाले एवं दिगोद मंडली के साथ फिल्टर प्लांट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने फिल्टर प्लांट में आई खराबी तथा उससे प्रभावित हो रही पेयजल व्यवस्था की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए पेयजल आपूर्ति को जल्द से जल्द सामान्य करने के लिए आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

42 एमएलडी फिल्टर प्लांट का महापौर ने किया औचक निरीक्षण, पेयजल व्यवस्था शीघ्र सामान्य करने के निर्देश



10 साल पहले बना फिल्टर प्लांट रखरखाव के अभाव में हो रहा कंडम

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर के विभिन्न वार्डों से लगातार पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट में आई तकनीकी खराबी को तत्काल दुरुस्त कर पेयजल व्यवस्था को शीघ्र सामान्य किया जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को पुराने मोटर पंपों की स्थिति का परीक्षण कर उनकी जगह नए मोटर पंप लगाए जाने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। महापौर ने कहा कि नागरिकों को नियमित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। आगामी त्योहारों को देखते हुए पेयजल व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आवश्यक सुधार कार्यों को समय-समय में पूरा किया जाए।

ख़बर संक्षेप

आंगनबाड़ी सहायिका के पद के लिए दावा आपति 18 तक

दुर्ग। नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा क्षेत्रांतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-02 द्वारा आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद हेतु अनंतिम मूल्यांकन सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में अभ्यर्थियों से 18 सितंबर तक दावा-आपति मंगाई गई है। परियोजना अधिकारी नीलम राय चौधरी द्वारा जारी सूचना के अनुसार वार्ड 3 स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र-अकलोरीडीह क्रमांक-1 में सहायिका पद की पूर्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। मूल्यांकन समिति द्वारा परीक्षण के उपरांत तैयार की गई अनंतिम मूल्यांकन सूची 9 सितंबर को एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-02 एवं नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा के सूचना पटल पर चप्सा कर दी गई है। 18 सितम्बर तक कार्यालयीन समय में आपति ली जाएगी।

वार्ड आरक्षण के बाद आप ने बनाई चुनाव को लेकर रणनीति



भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में हाल ही में संपन्न हुए वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया के बाद आम आदमी पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी और दिल्ली के विधायक मुकेश अहलावत भिलाई पहुंचे। इस दौरान उन्होंने चुनावी रणनीति बनाने पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ निकाय चुनाव और विधानसभा सदस्यता अभियान को लेकर बैठक की। बैठक के दौरान भिलाई नगर निगम चुनाव के आरक्षण के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों, आगामी चुनावों की रणनीति और संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर भिलाई नगर चुनाव प्रभारी डॉ. एसके अग्रवाल, जिला कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह, प्रदेश सचिव के ज्योति सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। समारोह के दौरान नए वार्ड आरक्षण के परिप्रेक्ष्य में भिलाई नगर निगम चुनाव को लेकर विशेष रणनीति तैयार की गई। बैठक में कई लोगों ने आगामी चुनाव लड़ने के लिए अपनी दावेदारी भी पेश की। प्रदेश प्रभारी और विधायक मुकेश अहलावत ने कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने के टिप्स दिए और शहर के नागरिकों की मुलभूत सुविधाओं व अधिकारों के लिए पूरी ताकत से संघर्ष करने का आह्वान किया।

टेका पद्धति से लैब संचालन के बाद पुराने कर्मचारियों को हटाने का सिलसिला शुरू

सरकारी लैब एचएलएल के हवाले, वर्षों से काम कर रहे जीवनदीप कर्मी हटाए जा रहे

हरिभूमि न्यूज़ ►►भिलाई

सरकारी अस्पतालों में संचालित पैथोलॉजी और जांच लैब को शासन द्वारा एचएलएल कंपनी को सौंपे जाने के बाद वर्षों से इन लैब में काम कर रहे जीवनदीप समिति के कर्मचारियों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। अस्पतालों में अटल आरोग्य लैब की नई व्यवस्था लागू होने के साथ ही पुराने कर्मचारियों को काम से बाहर किए जाने का सिलसिला शुरू होने से कर्मचारियों में नाराजगी और असुख्शा का माहौल है।

छत्तीसगढ़ शासन ने सरकारी अस्पतालों में संचालित पैथोलॉजी और जांच लैब को छत्तीसगढ़ एकीकृत डायग्नोस्टिक मैनेजमेंट सिस्टम सीआईडीएमएस के तहत सरकारी अस्पतालों की डायग्नोस्टिक सेवाओं के संचालन के लिए केंद्र सरकार के सार्वजनिक



उपक्रम एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड को पांच वर्ष के लिए जिम्मेदारी सौंपी है।

सरकारी अस्पतालों की लैब में जीवनदीप समिति के माध्यम से कई कर्मचारी पिछले कई वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इन कर्मचारियों ने लंबे समय तक अस्पताल आने वाले मरीजों के विभिन्न जांच कार्यों में अपनी जिम्मेदारी निभाई है। अब लैब संचालन का जिम्मा दूसरी एजेंसी को दिए जाने के बाद इन कर्मचारियों के भविष्य पर सवाल

खड़े हो गए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद उन्हें काम से हटाया जा रहा है। ऐसे में वर्षों से अस्पताल की लैब में सेवा दे रहे कर्मचारियों के सामने अचानक बेरोजगारी की स्थिति पैदा हो रही है।

कर्मचारियों का कहना है कि यदि नई कंपनी को ही लैब संचालन की जिम्मेदारी दी जा रही है तो वर्षों से काम कर रहे कर्मचारियों के अनुभव और सेवाकाल को देखते हुए उन्हें भी रोजगार में प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

सूर्य नगर की कच्ची सड़क से मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज़ ►►दुर्ग

पटरीपार क्षेत्र के वार्ड-16 स्थित सूर्य नगर गली नंबर-3 के रहवासियों को लंबे समय से चली आ रही कच्ची और उबड़-खाबड़ सड़क की समस्या से जल्द राहत मिलेगी। ननि द्वारा यहां 10 लाख रुपए की लागत से सीमेंट-कांक्रीट सड़क का निर्माण कराया जाएगा। सड़क निर्माण कार्य का बुधवार को भूमिपूजन कर शुभारंभ किया गया। महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने वार्ड पार्षद खिलावन मटियार, पटरीपार मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा और निगम अधिकारियों की मौजूदगी में भूमिपूजन किया। इस दौरान सहायक अभियंता सुरेश केवलानी, उप अभियंता पंकज झाड़ू, सविता वर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी मौजूद रहे। सूर्य नगर गली नंबर-3 की सड़क लंबे समय से कच्ची और उबड़-खाबड़ थी। बारिश के दौरान सड़क पर कीचड़ और पानी जमा होने से लोगों को आने-जाने में परेशानी होती थी। स्थानीय नागरिक लगातार सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे। रहवासियों की मांग को देखते हुए निगम ने 10 लाख रुपए की लागत से सीमेंट-कांक्रीट सड़क निर्माण की स्वीकृति दी। लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि नगर निगम द्वारा प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सड़क, नाली और प्रकाश व्यवस्था से जुड़े



- 10 लाख से बनेगी सीमेंट-कांक्रीट सड़क, पटरीपार वार्ड-16 में गली नंबर-3 का भूमिपूजन, बारिश में आवागमन की समस्या होगी दूर

कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। सूर्य नगर में सड़क बनने से लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान होगा। उन्होंने निर्माण एजेंसी और संबंधित अधिकारियों को सड़क का निर्माण निर्धारित मापदंडों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। भूमिपूजन के दौरान स्थानीय नागरिकों और पार्षद ने सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने पर मेयर अलका बाघमार व लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर का आभार जताया। रहवासियों ने कहा कि सड़क बनने के बाद आवागमन आसान होगा और बारिश के दिनों में होने वाली परेशानी से भी राहत मिलेगी।

तीज व गणेश चतुर्थी पर सुरक्षा व्यवस्था की मांग

उत्तर्ह। दुर्ग गामीण क्षेत्र में आगामी तीज एवं गणेश चतुर्थी पर्व के दौरान चुस्त-दुरुस्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु भारतीय जनता पार्टी उत्तर्ह मंडल के महामंत्री प्रवीण कुमार यदु ने पुलिस अधीक्षक, जिला दुर्ग को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया गया कि 12 सितंबर से 14 सितंबर तक गणेश चतुर्थी एवं हरितालिका तीज का पावन पर्व मनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर दुर्ग गामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उत्तर्ह, उमरपोटी, पुरई, अंडा, निकुम, अंजोरा, मचांदूर, खोपली, नगपुर, धनोरा, हजोबा, चंद्रपुरी सहित सभी गामीण अंचलों के प्रमुख चौक-चौराहों एवं बाजारों में माताओं-बहनों की मारी भीड़ रहती है।

अकतई में स्कूल भवन का होगा मेंटेनेंस, 7.9 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। अकतई स्थित शासकीय प्राथमिक शाला भवन की स्थिति को संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा त्वरित एवं सकारात्मक कदम उठाया गया है। कलेक्टर अभिजित सिंह ने विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार एवं नए कक्षाओं के निर्माण हेतु 7.90 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं हित को सर्वोपरि रखते हुए यह त्वरित निर्णय लिया है। भवन की आवश्यक मरम्मत एवं अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण हेतु वीबी जीरामजी योजना के अंतर्गत प्रस्ताव तैयार कर उच्च स्तर को प्रेषित कर दिया गया है। विकासखंड स्तर पर प्राथमिकता के आधार पर ऐसे जीर्ण-शीर्ण शाला भवनों की सूची तैयार की जा रही है, ताकि ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को पठन-पाठन हेतु सुरक्षित, सर्वसुविधायुक्त एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा का व्यापक सेवा संकल्प अभियान

सीर गोवर्धनपुर से लाई गई मिट्टी के कलश का किया वितरण

हरिभूमि न्यूज़ ►►भिलाई

भाजपा प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाया जा रहे सेवा संकल्प अभियान तथा गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत भाजपा जिला भिलाई द्वारा जिला कार्यालय प्रियदर्शनी परिसर सुपेला में कलश वितरण एवं जिला पदाधिकारी-कार्यसमिति सदस्यों की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला भिलाई संगठन प्रभारी रामजी भारती, अक्षय ऊर्जा विकास अधिकरण केन्द्र के अध्यक्ष भूपेंद्र सक्नी तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला



अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने की।

भूपेंद्र सक्नी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से उनके सेवाभाव को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का

अवसर मिला है। वहीं संत रविदास महाराज ने सामाजिक भेदभाव को समाप्त कर समानता और समरसता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दोनों अभियानों का मूल

भाव सेवा और समाज को जोड़ना है। भिलाई-3 चरोदा नगर निगम प्रभारी नीलू शर्मा ने कहा कि सेवा केवल जरूरतमंद की सहायता करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलना भी सेवा का महत्वपूर्ण स्वरूप है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि सेवा भावना को आगे बढ़ाने के लिए सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज ने भी समाज को जाति-पंथ और भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता एवं समानता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सेवा और समरसता एक-दूसरे के पूरक हैं। जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचेगी और प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान मिलेगा, तभी सशक्त एवं समरस समाज का निर्माण होगा। पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि भाजपा

के लिए सेवा कोई एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन की मूल कार्यसंस्कृति है। कार्यक्रम प्रभारी एवं जिला महामंत्री सुषमा जेठानी ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा एवं समर्पण दिवस के अंतर्गत विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मंच संचालन जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल ने कहा कि सेवा से समाज मजबूत होता है और समरसता से समाज एकजुट होता है।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, गोपाल कृष्ण वर्मा, चिन्ना केशवालु, पूरम शुक्ला, जिला मंत्री मनोज तिवारी, पासम जंघेत, रश्मि सिंह जिला सह कोषाध्यक्ष हेमंत देवांगन, कार्यालय मंत्री सचिन ताप्रकार आदि मौजूद थे।

नेशनल लोक अदालत कल डीजे ने की तैयारियों की समीक्षा



हरिभूमि न्यूज़ ►►दुर्ग

आमजन को त्वरित, सुलभ एवं निःशुल्क न्याय उपलब्ध कराने तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 12 सितम्बर को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय सहित जिले में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा जोर-शोर से तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत को अधिकाधिक सफल बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर आवश्यक कार्यावाही की जा रही है। राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का प्रभावी निराकरण

सुनिश्चित करने के लिए संबंधित प्रकरणों में प्री-सिटिंग की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। प्री-सिटिंग के माध्यम से पक्षकारों के मध्य विवाद के मूल कारणों को समझने, आपसी सहमति की संभावनाओं का परीक्षण करने तथा उन्हें लोक अदालत के माध्यम से विवाद का शांतिपूर्ण समाधान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत को व्यापक एवं परिणामोन्मुखी बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिले के विभिन्न संबंधित विभागों, न्यायालयों, विधिक सहायता तंत्र एवं अन्य हितधारकों के साथ नियंत्र समन्वय स्थापित किया जा रहा है। संबंधित विभागों से प्रकरणों की जानकारी प्राप्त करने, पात्र प्रकरणों को चिन्हंकित करने तथा अधिक से अधिक प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से निराकृत किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।